सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 08 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 20 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेलेंगे हार्दिक, इंग्लैंड से मैच के लिए लखनऊ में टीम से जुड़ेंगे

पुणे। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या न्यूजीलैंड के खिलाफधर्मशाला में 22 अक्तूबर को होने वाले भारत के अगले मैच से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसको लेकर अपडेट जारी कर दिया है। बीसीसीआई ने हार्दिक का हेल्थ अपडेट देते हुए बताया- टीम इंडिया के उप-कप्तान हार्दिक पांड्या को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के मैच के दौरान अपनी ही गेंदबाजी पर फील्डिंग करते समय बाएं टखने में चोट लग गई। बीसीसीआई ने बताया- ऑलराउंडर को स्कैन के लिए ले जाया गया और उन्हें आराम की सलाह दी गई है। वह बीसीसीआई की मेडिकल टीम की लगातार निगरानी में रहेंगे। वह 20 अक्तूबर को टीम के साथ धर्मशाला के लिए उड़ान नहीं भरेंगे और अब सीधे लखनऊ में टीम से जुड़ेंगे जहां भारत इंग्लैंड से खेलेगा।

बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान हार्दिक ने लिटन दास के शॉट को दाएं पैर से रोकने की कोशिश की थी। इस दौरान उन्होंने अपना संतुलन खो दिया था और बाएं पैर पर गलत तरीके से लैंड कर गए। इसके बाद मैदान से उठते वक्त वह काफी दर्द में दिख रहे थे और लंगड़ा कर चल रहे थे। जल्द ही फीजियो को मैदान पर बुलाया गया। इस दौरान दो सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा भी उनके साथ थे। फीजियो के आने के बाद करीब पांच मिनट तक मैच रुका रहा।

मौद्रिक नीति को सक्रिय रूप से मुद्रास्फीति पर लगाम लागानी चाहिए : शक्तिकांत दास

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि मौद्रिक नीति को सक्रिय रूप से मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने वाली होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके ऐसा होने से ही जुलाई में 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से मुद्रास्फीति में गिरावट सुचारू रूप से जारी रही।

अपने संबोधन में, गवर्नर दास ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली बहुमुखी चुनौतियों पर चर्चा की और इन जटिलताओं के बीच नीति निर्माण में आवश्यक जटिल संतुलन पर जोर दिया। 'कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2023' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मूल्य स्थिरता तथा वित्तीय स्थिरता एक-दूसरे के पूरक हैं और आरबीआई ने दोनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने का प्रयास किया है।

सब्जियों तथा ईंधन की कीमतों में नरमी के कारण सितंबर में सालाना आधार पर खुदरा मुद्रास्फीति घटकर तीन महीने के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में 6.83 प्रतिशत और सितंबर 2022 में 7.41 प्रतिशत थी। जुलाई में मुद्रास्फीति 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

दुर्ग ग्रामीण : कद्दावरों के रहते मैदान में 'बौना' प्रत्याशी!

शेर के शिकार के लिए भाजपा ने उतारा मेमना

श्रीकंचनपथ इलेक्शन न्यूज़

भिलाई। जिले में भाजपा के कई कद्दावर नेता मौजूद हैं, बावजूद इसके पार्टी ने एक ऐसे उम्मीदवार को दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र से मैदान में उतारा है, जिसके बारे में आमराय अच्छी नहीं है। इस विधानसभा क्षेत्र से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के नंबर 2 माने जाने वाले नेता ताम्रध्वज साहू चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी के साथ ही साहू समाज और स्थानीय मतदाताओं में ताम्रध्वज साहू की छवि साफ-सुथरी है। इसके विपरीत भाजपा प्रत्याशी का अक्खड़पन और कड़कमिजाजी उन्हें मतदाताओं के सामने कमजोर साबित करती है। भाजपा के ही कई नेताओं का साफ कहना है कि पार्टी ने शेर के शिकार के लिए मेमना उतार दिया। जबकि पार्टी में कद्दावर नेताओं की भरमार है।

दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र से दूसरी बार प्रत्याशी बनाए गए ताम्रध्वज साहू को निर्विवाद और स्वच्छ छवि वाला माना जाता है। 2018 के चुनाव में वे सीएम पद के प्रमुख दावेदार थे। हालांकि पार्टी की आंतरिक नीतियों की वजह से वे मुख्यमंत्री नहीं बन पाए। इसके बाद उन्हें गृह, पीडब्ल्यूडी समेत कई अन्य विभाग सौंपकर सरकार में नंबर 2 का दायित्व सौंपा गया। पिछले 5 वर्षों में ताम्रध्वज साहू ने दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र का नक्शा बदलकर रख दिया है। रिसाली नगर निगम उन्हीं की देन है, जिसका वायदा उन्होंने विगत चुनाव से पहले किया था। गली-गली, गाँव-गाँव में उनके द्वारा कराए गए काम नजर आते हैं। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं को इन वर्षों में वो सब कुछ मिला है, जिसके वे हकदार थे। लेकिन श्री साहू का कहना है कि क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उनके मुताबिक, किसी भी क्षेत्र की समस्याएं महज एक पंचवर्षीय कार्यकाल में पूरी नहीं की जा सकती। क्योंकि जब तक किसी एक समस्या का निदान होता है, तब तक दूसरी जन्म ले लेती है।

गौरतलब है कि दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू कांग्रेस के वरिष्ठतम नेताओं में से एक है। श्री साहू इससे पहले भी धमधा व बेमेतरा से विधायक, मंत्री व सांसद रह चुके है। श्री साहू स्वभाव से बेहद सरल, सहज और विनम्र है। छोटा हो या बड़ा, हर किसी के साथ सामान्य रूप से मुलाकात करके हालचाल पूछते है और कोई समस्या से पीड़ित रहता है तो उसका निराकरण भी करते है। मतदाताओ के प्रति सम्मान की भावना उनके भीतर कूट-कूट कर भरी हुई है। इसी वजह से अपने क्षेत्र में वे बाबूजी के नाम से लोकप्रिय है। श्री साहू की लोकप्रियता का पैमाना बहुत बड़ा है। इसका मुख्य कारण यह है कि लोकसभा के चुनाव में पहली बार जब मोदी लहर का दौर चला था तब छत्तीसगढ की एक मात्र दुर्ग लोकसभा सीट में श्री साहू ने कांग्रेस को जीत दिलाई थी और भाजपा की कद्दावर नेत्री और पूर्व सांसद सरोज पांडे को पराजित किया था। श्री साहू लोकसभा का सांसद बनने के बाद दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के संपर्क में आए और अपने व्यवहार से सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका गांधी के बीच अपनी खास पहचान बनाई। परिणामस्वरूप कांग्रेस ने उन्हें पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद श्री साहू ने पिछड़ा वर्ग के हित के कई कल्याणकारी काम किए। उनकी लगन और समर्पण को देखते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में शामिल किया है।

बहाई विकास की गंगा

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा का विधायक व गृह व लोक निर्माण मंत्री बनने के बाद श्री साहू ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में विकास की गंगा बहाकर ग्रामीण क्षेत्र का कायाकल्प कर दिया है। विकास से अछूते रहे रिसाली व आसपास के क्षेत्र को विकसित करने के लिए रिसाली में नगर निगम की स्थापना की। दुर्ग ग्रामीण के विभिन्न क्षेत्रो में जनपद व ग्राम पंचायत के माध्यम से हर जरूरतों को पूरा किया। सड़क, बिजली, पानी की सुविधा उपलब्ध कराई। दुर्ग से अंडा तक सड़क का निर्माण पूर्णता की ओर है। श्री साहू ग्रामीण क्षेत्र के हर मतदाताओ व कार्यकर्ताओ के छोटे से बड़े हर कार्यक्रम में शामिल होते रहे हैं। उन्होने कभी भी क्षेत्र के लोगों को मंत्री बनने के बाद भी अहसास नही होने दिया बल्कि सामान्य रूप से सरल और सहज है। श्री साहू की यह उपलब्धि उनकी जीत का एक मजबूत आधार बनकर सबके सामने है। बल्कि पिछले चुनाव की अपेक्षा इस बार ज्यादा मतों से जीत का दावा उनके समर्थक कर रहे हैं।

सामाजिक पकड़ भी कमजोर

वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी ललित चंद्राकर के साथ उपलब्धि का कोई नाम नही है। श्री चंद्राकर खेरथा विधानसभा के बाद परिसीमन के उपरांत दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से पिछले दो दशक से भाजपा से टिकट की मांग करते रहे हैं। चंद्राकर ने इससे पहले कभी भी कोई चुनाव नही लड़ा है। इस लिहाज से उनके पास चुनाव लड़ने का कोई अनुभव नही है। श्री चंद्राकर क्षेत्र में बीस वर्षो से सक्रिय जरूर है और रामायण, क्रिकेट समितियों व अन्य धार्मिक आयोजनों में चंदा देते रहे हैं। लेकिन इसे वोट के रूप में बदलना चुनौती है। चंद्राकर के साथ सबसे बड़ी समस्या यह भी है कि उनकी समाज में पकड़ बेहद कमजोर है। समाज की गतिविधियों में उनकी उपस्थिति कभी नही रही है। स्वभाव से अक्खड़ पन उनकी सबसे बड़ी कमजोरी है। उनमें विनम्रता का भी अभाव है, जिससे काम रहता है उसके साथ ही बात करते है बाकी न ही किसी से बात करते है और न ही व्यवहारिकता है। क्षेत्र के मतदाता भी व्यक्तित्व को लेकर उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू के काफी मुकाबले कमजोर मान रहे है। कार्यकर्ताओ का कहना है कि चंद्राकर को गलत समय में प्रत्याशी बनाया गया है। ताम्रध्वज साहू से बड़े और कद्दावर नेता के सामने वे कैसे टिक पाएंगे, इसे लेकर कार्यकर्ताओं में संशय है।

पीएम मोदी ने किया रैपिड ट्रेन का उद्घाटन, 17 किमी कॉरीडोर शुरू

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली -गाजियाबाद -मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के 17 किलोमीटर लंबे प्राथमिकता वाले खंड का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री साहिबाबाद स्टेशन से देश की पहली सेमी-हाईस्पीड रीजनल रेल 'नमो भारत' (रैपिडएक्स) को हरी झंडी दिखाई। वह ऑनलाइन टिकट खरीदकर इस ट्रेन के पहले यात्री भी बने। उनके साथ ट्रेन में स्कूली बच्चे सवार हुए। रैपिडएक्स ट्रेन में स्टैंडर्ड और प्रीमियम दो श्रेणी के कोच लगाए गए हैं।

कुल छह कोच की प्रत्येक ट्रेन में एक कोच प्रीमियम श्रेणी का होगा। वहीं रैपिडएक्स के स्टेशनों पर मेट्रो स्टेशन से ज्यादा सुविधाएं मिलेंगी। 82 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम से जुड़ने वाले आनंद विहार, गाजियाबाद समेत अन्य स्टेशनों पर बच्चों को फीड कराने के लिए फीडिंग रूम भी बनाए गए हैं। इनके अलावा आरओ फिल्टर्ड पानी फ्री मिल सकेगा। मेट्रो स्टेशनों पर यह सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। अधिकारियों ने बताया कि रैपिडएक्स ट्रेन में बच्चों के साथ सफर करने वाली महिलाओं की सहूलियत का खास ख्याल रखा गया है। महिलाओं के लिए अलग कोच के साथ-साथ मुख्य स्टेशनों पर बेबी फीडिंग रूम बनाया गया है। उन्होंने बताया कि सभी स्टेशनों पर टॉयलेटस भी बनाए गए हैं। इनका उपयोग निशुल्क किया जा सकेगा। मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों को पानी खरीदना पड़ता है जबकि रैपिडएक्स स्टेशनों पर आरओ मशीन लगी होंगी, यात्रियों को यहां से पानी निशुल्क मिलेगा।

डिस्प्ले स्क्रीन पर दिखेगी ट्रेन की लोकेशन और गति

रैपिडएक्स ट्रेन के प्रीमियम कोच में दो डिस्प्ले स्क्रीन लगाई गई हैं। हवाई जहाज की तरह इस स्क्रीन में ट्रेन की गति की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। इसके अलावा ट्रेन की लोकेशन भी स्क्रीन पर दिखाई देगी। स्क्रीन पर देखकर पता चल सकेगा की ट्रेन किस स्टेशन पर पहुंचने वाली है। यात्रियों की सहायता के लिए प्रीमियम कोच में एक-एक सहायक तैनात रहेंगे। किसी भी जरूरत के लिए यात्री इन्हें बुलाकर मदद ले सकेंगे। स्टैंडर्ड कोच में सहायक तैनात नहीं होंगे, लेकिन किसी आपात स्थिति में यात्री इन्हें बुला सकेंगे।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे ने जारी की प्रत्याशियों की पहली लिस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली लिस्ट जारी की है। इसमें 16 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। पहले चरण में होने वाली 20 सीटों पर चुनाव के लिए जेसीसीजे ने प्रत्याशियों की घोषणा की है। जनता कांग्रेस के महामंत्री महेश देवांगन ने सूची जारी की है।

जेसीसीजे की पहली सूची में इन्हें मिला मौका

पंडरिया से रवि चंद्रवंशी
कवर्धा से सुनील केसरवानी
खैरागढ़ से लक्की कंवर नेताम
डोंगरगढ़ से लोकनाथ भारती
राजनंदगांव से शमशुल आलम
डोंगरगांव से मुकेश साहू
खुज्जी से विनोद पुराम
मोहला-मानपुर से नागेश पुराम
कोंडागांव से शंकर नेताम
नारायणपुर से बलिराम कचलाम
बस्तर से सोनसाय कश्यप
जगदलपुर से नवनीत चांद
चित्रकोट से भरत कश्यप
दंतेवाड़ा से बेला तेलाम
बीजापुर से रामधर जुर्री
कोंटा से देवेंद्र तेलाम

इसरो के गगनयान मिशन की तैयारी पूरी, कल पहली परीक्षण उड़ान भरेगा टीवी-डी1

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने गगनयान मिशन को लेकर लगभग तैयारियां पूरी कर ली है। गगनयान मिशन के तहत टीवी-डी1 अपने पहली परीक्षण के लिए 21 अक्तूबर यानी कल उड़ान भरेगा। जिसे सुबह आठ बजे श्रीहरिकोटा से भेजा जाएगा। इससे ही मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान को पंख लग जाएंगे।

कार्यक्रम से जुड़े जानकारों के मुताबिक, पहले परीक्षण उड़ान के नतीजों के आधार पर अन्य परीक्षण किए जाएंगे। इस दौरान क्रु मॉड्यूल को परखा जाएगा। जिसमें क्रु एस्केप प्रणाली भी शामिल है। बता दें कि गगनयान का यह हिस्सा तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने में इस्तेमाल किया जाएगा।

इसरो का लक्ष्य तीन दिवसीय गगनयान मिशन के लिए 400 किलोमीटर की लो अर्थ ऑर्बिट पर मानव को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है।

वापसी में बंगाल की खाड़ी में उतारा जाएगा मॉड्यूल

यह परीक्षण श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगा। इसमें क्रु मॉड्यूल की उड़ान, उसे वापस उतारने और समुद्र से रिकवर करने की प्रक्रियाएं शामिल होंगी। मॉड्यूल को वापसी में बंगाल की खाड़ी में उतारा जाना है। जिसे भारतीय नौसेना द्वारा रिकवर किया जाएगा। इसके के लिए नौसैनिकों का एक गोताखोर दल बनाया गया है। साथ ही मिशन के लिए एक जहाज को भी तैयार किया जाएगा। चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग और सूर्य के लिए आदित्य-एल1 के सफल प्रक्षेपण के बाद गगनयान मिशन भारत को खगोल विज्ञान पर काम कर रहे अग्रणी देशों में शामिल करेगा।

इसरो के मुताबिक, फ्लाइट टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन1 की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मिशन में किसी अनहोनी की दशा में अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने में यह क्रु-एस्केप प्रणाली काम आएगी। उड़ान भरते समय अगर मिशन में गड़बड़ी हुई तो यह प्रणाली क्रु मॉड्यूल के साथ यान से अलग हो जाएगा, कुछ समय उड़ेगा और श्रीहरिकोटा से 10 किमी दूर समुद्र में उतरेगी। इसमें मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को नौसेना की ओर से समुद्र से सुरक्षित वापस लाया जाएगा।

टीवी-डी1 वाहन एक विकास इंजन का उपयोग करता है, जिसके अगले सिरे पर क्रु मॉड्यूल और क्रु एस्केप सिस्टम लगा होता है। वाहन की लंबाई 34.9 मीटर है, जबकि इसका भार 44 टन है।

अगले साल भेजा जा सकता है गगनयान

गगनयान भारत का पहला अंतरिक्ष मिशन है, इसे अगले साल के आखिर या 2025 की शुरुआत तक भेजा जा सकता है। 2024 में मानव रहित परीक्षण उड़ान होगी, जिसमें एक व्योममित्र रोबोट भेजा जाएगा।

तीन दिवाली की मिली गारंटी, चौथी का क्या?

श्रीकंचनपथ

चुनावी माहौल बनाने के लिए नेता कुछ भी कह जाते हैं। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि जिह्वा पर माता सरस्वती का वास हो गया है पर अकसर नेताओं की बातों पर हंसी आ जाती है। रील्स और स्टैण्डअप के जमाने में नेताओं की यही बातें 'प्योर कॉमेडी' का काम करती हैं। इनमें कोई अश्लीलता या फूहड़ता भी नहीं होती इसलिए इसे पूरे परिवार के साथ देखा और सुना जा सकता है। चुनावी झोंक में एक बड़े नेता कह गये कि इस बार छत्तीसगढ़ तीन दीपावली मनाएगा। पहली दीपावली जहां 12 नवम्बर को मनाई जाएगी वहीं दूसरी दीपावली 3 दिसम्बर को मनाई जाएगी जब चुनाव के नतीजे आएंगे। तीसरी दिवाली तब मनाई जाएगी जब जनवरी 2024 में अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण पूर्ण हो जाएगा। अर्थात राममंदिर निर्माण तक छत्तीसगढ़ हर महीने दिवाली मनाएगा। वैसे नेताजी भूल गए कि इसके बाद अप्रैल-मई में लोकसभा के चुनाव भी होने हैं। उसके कुछ ही महीने बाद फिर से एक वास्तविक दीपावली आएगी। इसके बाद भी पांचवी दिवाली, छठी, सातवीं और अनगिनत दिवालियां मनाई जाती रहेंगी। रही पटाखों की बात तो वह तो आजकल किसी भी मौके पर फोड़ी जाने लगी हैं। गणपति विसर्जन, माता कि चुनरी, माता का आगमन, माता का प्रस्थान सभी डीजे के अलावा आतिशबाजी के लिए ज्यादा जाने जाते हैं। वैसे भी विशेष आतिशबाजी के लिए तो दशहरा का पर्व ही विश्वप्रसिद्ध है। रही बात फ्रदीप-अवलीफ्र (दीपों की माला) की तो अब यह केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित है। 150-200 रुपए किलो तेल के जमाने में दीपक जलाने के लिए भी हिम्मत जुटानी पड़ती है। जमाना लपक-झपक बिजली बाती का है। वैसे भी छत्तीसगढ़ प्रकृति के ज्यादा करीब है। यहां गांवों में दीपावली से ज्यादा महत्व गोवर्धन पूजा और मातर का है। बहरहाल, बात नेताओं के बड़बोलेपन की हो रही थी। नेताजी ने यह भी दावा किया की उनकी पार्टी की सरकार बनते ही बस्तर से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। ऐसा दमदार दावा तो केवल वही कर सकता है जिसकी नक्सलियों से सांठगांठ हो। या फिर जिसके पास कोई ऐसी तंत्र विद्या हो जिसका उपयोग कर वह वांछित परिणाम प्राप्त कर सकता है। वैसे उनसे पहले एक और बड़े नेता, नाम की महिमा पर लंबी बहस छेड़कर जा चुके हैं। केवल नाम अकबर होने से ही कोई बाबर का रिश्तेदार नहीं हो जाता। वरना यहां तो हर गांव में 10-20 राम मिल जाएंगे। पर उनका अयोध्या से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं है। वक्त का तकाजा है कि चुनावी बतोलेबाजियों का उपयोग केवल स्वस्थ मनोरंजन के लिए करें। बार-बार ठगे जाने से अच्छा यह रहेगा कि इस बार आपस में जुड़ मिलकर विचार करें, सोच समझकर ठोस फैसला करें। सरकार की नीतियां केवल आपका वर्तमान ही नहीं, आपके बच्चों का भी भविष्य खराब कर सकती हैं। वरना वही कहावत चरितार्थ हो जाएगी कि 'पाछे पछताए क्या होत है, जब चिड़िया चुग गई खेत।'

संपादकीय

युद्ध का विरोध

पश्चिम एशिया में बर्बर युद्ध का छिड़ना जहां दुखद है, वहीं युद्ध रोकने के लिए दुनिया में कई जगह हो रहे प्रदर्शन सुखद हैं। स्वयं इजरायली या यहूदी लोग ही बड़ी संख्या में इस युद्ध को तत्काल रोकने की गुहार लगा रहे हैं। अमेरिका में युद्ध विरोधी प्रदर्शन का आयोजन करने वाले समूह 'यहूदी वॉयस फॉर पीस' के मुताबिक, वाशिंगटन में अमेरिकी संसद में धरने के दौरान लगभग 500 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि हमारे नाम पर युद्ध नहीं होना चाहिए, तत्काल प्रभाव से संघर्ष-विराम करना चाहिए। हजारों लोगों ने पूरे अमेरिका में प्रदर्शन किया है, वहीं दुनिया के अनेक देशों से प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं। मुंबई और दिल्ली में भी प्रदर्शन हुए हैं। अमेरिका से कहा जा रहा है कि वह युद्ध में इजरायल का साथ न दे। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी इजरायल दौरे पर पहुंच गए। जाहिर है, इन बड़े नेताओं के दौरे से इजरायल का मनोबल बढ़ा है और उसने कहा है कि संकट के समय पता चल रहा है कि कौन सच्चा मित्र है। अनेक यहूदी या इजरायली मूल के लोग यह मानते हैं कि हिंसा की विरासत को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। जो इजरायली नरसंहार से बच गए, उन्हें शांति और संपन्नता के लिए दूसरों को प्रेरणा देनी चाहिए। किसी भी जाति या समूह के उत्पीड़न से कोई लाभ नहीं होने वाला। ऐसे लोग इजरायल के अंदर भी हैं, जिन्हें गाजा में युद्ध-विराम व शांति के लिए लड़ने से बेहतर कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। सबसे ज्यादा प्रदर्शन अमेरिका में ही हो रहे हैं और वहां पुलिस भी प्रदर्शनों का दमन कर रही है। संयुक्त राष्ट्र में इजरायल विरोधी प्रस्ताव को अमेरिका ने वीटो किया है। इससे भी नाराजगी है। लोग गुहार लगा रहे हैं कि 'हमारे खून का एक ही रंग है', 'मेरा दुख आपका हथियार नहीं है।' यहूदियों ने नस्लवाद के बहुत निर्मम स्वरूप को झेला है, लेकिन इसका बदला यहूदी नस्लवाद से नहीं लिया जा सकता। फिलिस्तीनियों के पक्ष में और युद्ध के विरोध में खड़े हो रहे यहूदी वास्तव में नफरत और अंधी हिंसा के खिलाफ हैं। इन पर उन तमाम लोगों की निगाह पड़नी चाहिए, जो पूरे यहूदी समुदाय को फिलिस्तीनियों या इस्लाम का दुश्मन मानने की गलती करते हैं। ऐसे प्रदर्शनों से यह भी पता चलता है कि इंसानियत अभी भी जिंदा है। नस्लें बुरी नहीं होतीं, कुछ लोग बुरे होते हैं और कुछ लोगों की बुराई का कहर हर किसी पर नहीं बरसना चाहिए। ध्यान रहे, अमेरिका में यहूदी मजबूत स्थिति में हैं और वे चाहते हैं कि अमेरिकी कांग्रेस एक संघर्ष-विराम प्रस्ताव पारित करे। इजरायल में राजनीतिक रूप से बेंजामिन नेतन्याहू पहले से ही कमजोर चल रहे हैं और अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि उनके हाथों पर खून लगा है। इसके बावजूद इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने साफ कहा हैकि 'इजरायलियों को एक लंबी लड़ाईके लिए तैयार रहना चाहिए। ...दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है, क्योंकि इस जीत में समय लगेगा।' वस्तु-स्थिति यह है कि अब संयुक्त राष्ट्र से भी खास उम्मीद नहीं है। वहां वीटो पावर से संपन्न देश अब कोई सर्वसम्मत ठोस फैसला नहीं होने देते। संयुक्त राष्ट्र सिर्फ छोटे देशों पर हुक्म चलाने के लिए रह गया है, दुनिया की बड़ी शक्तियों ने धीरे-धीरे उसे अप्रासंगिक बना दिया है। फिर भी उम्मीद यही करनी चाहिए कि हालात जल्दी बदलेंगे और पश्चिम एशिया में अमन-चैन बहाल होगा।

“ फिलिस्तीनियों के पक्ष में और युद्ध के विरोध में खड़े हो रहे यहूदी वास्तव में नफरत और अंधी हिंसा के खिलाफ हैं। इन पर उन तमाम लोगों की निगाह पड़नी चाहिए, जो पूरे यहूदी समुदाय को फिलिस्तीनियों या इस्लाम का दुश्मन मानने की गलती करते हैं। ऐसे प्रदर्शनों से यह भी पता चलता है कि इंसानियत अभी भी जिंदा है।

तो विधानसभाएं हैं किसलिए ?

लोकतंत्र के खिलाफ एक तर्क यह है कि इस सिस्टम को चलाना बहुत महंगा पड़ता है। लेकिन उसका तार्किक जवाब यह है कि चूंकि इस व्यवस्था में सत्ता पर नियंत्रण रखना, उसके कामकाज की पारदर्शिता और जवाबदेही तय करना संभव होता है, इसलिए दीर्घकाल में इसे चलाने के लिए हुआ खर्च सार्थक एवं लाभदायक साबित होता है। इससे सरकारी फैसलों में जन हित को केंद्र में रखना मुमकिन होता है। साथ ही चूंकि निर्णय आम सहमति से होते हैं, इसलिए सिस्टम को स्थिर एवं टिकाऊ बनाना संभव होता है। और सारा कार्य विधायिका के जरिए होता है। लेकिन अगर विधायिका यह कार्य ना करे, तो क्या उपरोक्त अपेक्षाओं पर कुठाराघात नहीं होगा? यह प्रश्न भारत में विधायिकाओं की लगातार गिर रही भूमिका के कारण प्रासंगिक हो उठा है। अगले महीने पांच राज्यों-मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट से इन पांचों विधानसभाओं के बीते पांच साल में रहे रिकॉर्ड के बारे में जानकारी मिली है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने नाम की संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक इन राज्यों में सालाना 30 दिन से भी कम विधानसभा की बैठकें हुईं। राजस्थान में बैठकें साल में औसतन 29 दिन, छत्तीसगढ़ में 23 दिन, मिजोरम में 18 दिन, मध्य प्रदेश में 16 दिन और तेलंगाना के लिए यह संख्या 15 रहीं। खुद समझा जा सकता है कि एक वर्ष में अगर इतनी कम बैठकें हों, तो विधानसभाओं ने अपनी जिम्मेदारी किस हद तक निभाई? यह भी गौरतलब हैकि छत्तीसगढ़ में बैठक का औसत समय प्रति दिन महज पांच घंटे का रहा, वहीं मध्य प्रदेश में औसतन चार घंटे चली। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के इस विश्लेषण के मुताबिक मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में 1952 से 2022 के बीच बैठकों के औसत दिनों में लगातार कमी आई है। यह गौरतलब है कि इन पांचों राज्यों की विधानसभाओं लगभग 48 प्रतिशत विधेयकों पर उसी दिन या पेश होने के अगले दिन विचार किया गया और उसे पारित भी कर दिया गया। तो देर-सबेर यह सवाल उठेगा कि अगर विधानसभाएं इस तरह चलनी हैं, तो उनकी जरूरत ही कितनी बची है?

कानूनी प्रावधान के अनुरूप

सुप्रीम कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि विवाह व्यक्ति का मौलिक अधिकार नहीं है, इसलिए समलैंगिक व्यक्तियों के विवाह की मांग के पक्ष में उसने फैसला नहीं दिया। उसने यह उचित व्याख्या की कि स्पेशल मैरिज ऐक्ट में समलैंगिक विवाह का प्रावधान नहीं है।

समलैंगिक विवाह मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला संविधान और वर्तमान कानून के मुताबिक है। सुप्रीम कोर्ट से अति अपेक्षा रखने वाले आलसी कार्यकर्ता समूहों को भले इससे मायूसी हुई होगी, लेकिन कोर्ट का खुद को अपने दायरे में रखने के निर्णय से वैधानिक तौर पर असहमत होने की कम गुजाइशें ही हैं। यह कहा जा सकता है कि ऐसी अति अपेक्षाएं पैदा करने में खुद सर्वोच्च न्यायालय की भी भूमिका रही है। एक दौर में संविधान से मिले न्यायिक समीक्षा के अधिकार की बेहद व्यापक परिभाषा करते हुए उसने संविधान के बुनियादी ढांचे की अवधारणा स्थापित कर दी और फिर चूंकि मौलिक अधिकार संविधान के इस ढांचे का हिस्सा हैं, इसलिए उसने खुद को इन अधिकारों का संरक्षण घोषित कर दिया। उस दौर में उसने खुद मौलिक अधिकारों की व्यापक से व्यापक व्याख्याएं कीं। इससे एक तबके में यह धारणा बन गई कि बिना सामाजिक-राजनीतिक माहौल बनाए भी न्यायपालिका के हस्तक्षेप से समाज में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। बहरहाल, अब उस समझ की सीमाएं स्पष्ट हो गई हैं। चूंकि सुप्रीम कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि विवाह व्यक्ति का मौलिक अधिकार नहीं है, इसलिए समलैंगिक और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के विवाह की मांग के पक्ष में उसने फैसला नहीं दिया।

“ सत्तारूढ़ दलों को जन-कल्याण की इस चिंता ने चुनाव से चंद महीने पहले ही सताना शुरू किया, वरना तो उससे पहले भी इन तमाम वर्गों की दुश्वारियां ऐसी ही थीं। स्वतंत्रता दिवस हर साल आता है, पर राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने इस साल लोक-लुभावन घोषणाओं के जरिये उसे अपने चुनाव अभियान की शुरुआत के मौके के रूप में भी इस्तेमाल किया।

रेवड़ियों पर राजनीति का बढ़ता भरोसा

राज कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

अगले महीने विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में राजनीतिक दलों में लोक-लुभावन घोषणाओं की होड़ बताती है कि इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय से लेकर चुनाव आयोग तक की नसीहतें बेअसर साबित हुई हैं। समाज कल्याण निस्संदेह सरकार की जिम्मेदारी है, मगर ऐन चुनाव से पहले जैसी योजनाएं घोषित की जा रही हैं या वादों की बारिश की जा रही है, वह दरअसल सत्ताधीशों को कठघरे में खड़ा करता है। कमोबेश सभी दल कभी न कभी राज्यों में तो सत्ता में रहे ही हैं। फिर भी आबादी का बड़ा हिस्सा जीवन-यापन के लिए मुफ्त की रेवड़ियों का मोहताज है, तो आजादी के बाद साढ़े सात दशक तक सत्ताधीश क्या करते रहे? जो दल सत्ता में हैं, उन्हें भी जन-कल्याण की सुध ऐन चुनाव से पहले आती है! वे फिर सत्ता में आने पर भी बहुत सारी लोक-लुभावन योजनाएं लागू करने की घोषणा कर रहे हैं। आम आदमी का जीवन बेहतर बनाने के लिए यह सब कुछ जरूरी है, तो इसे अभी तक क्यों नहीं किया? सवाल यह भी है कि लोक-लुभावन योजनाओं का सूबे की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा?

कोई सत्ताधीश या उसका दल तो इन योजनाओं का आर्थिक बोझ नहीं उठाएगा। तब क्या उन करदाताओं से सहमति नहीं ली जानी चाहिए, जो देश के विकास के लिए तरह-तरह के कर देते हैं, न कि रेवड़ियों की राजनीति से सत्ता की गारंटी के लिए? जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें से राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता में है, जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा। तेलंगाना और मिजोरम में क्षेत्रीय दल क्रमशः बीआरएस और मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार है। येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करने के इस दौर में भी रेवड़ियों की राजनीति से अछूता रहने के लिए मिजोरम की प्रशंसा की जानी चाहिए। वहां मिजो नेशनल फ्रंट के नेता जोरामथंगा चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए जनादेश मांग रहे हैं, जबकि जोराम पीपुल्स मूवमेंट उन्हें चुनौती दे रहा है। इन दोनों दलों की ओर से अभी तक कोई ऐसी घोषणा नहीं की गई है, जिसे मुफ्त की रेवड़ी करार दिया जा सके। हां, देश के सबसे पुराने दल कांग्रेस ने अवश्य कुछ वादे किए हैं। अरसे तक मिजोरम में सत्ता का दूसरा ध्रुव रही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी वहां गए, तो उन्होंने वादा किया कि सत्ता में आने पर बुजुर्गों को 2,000 रुपये महीना पेंशन तथा सभी को 750 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा।

मिजोरम से उलट शेष चारों चुनावी राज्यों में सत्ता के दावेदारों में लोक-लुभावन घोषणाओं और वादों की होड़ लगी हुई है। सत्तारूढ़ दलों को जन-कल्याण की इस चिंता ने चुनाव से चंद महीने पहले ही सताना शुरू किया, वरना तो उससे पहले भी इन तमाम वर्गों की दुश्वारियां ऐसी ही थीं। स्वतंत्रता दिवस हर साल आता है, पर राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों ने इस साल लोक-लुभावन घोषणाओं के जरिये उसे अपने चुनाव अभियान की शुरुआत के मौके के रूप में भी इस्तेमाल किया। अशोक गहलोत ने महिलाओं को मुफ्त स्मार्टफोन और 33 लाख लोगों को राशन किट समेत एक-दो नहीं, पूरी सात घोषणाएं कीं। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के कमलनाथ से 15 महीने बाद ही सत्ता वापस छीन लेने वाले शिवराज सिंह चौहान ने भी 15 अगस्त को मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ समेत चार घोषणाएं कर डालीं, जो अलग-अलग वर्गों के मतदाताओं को लुभाने वाली हैं। रक्षाबंधन भी हर साल आता है, मगर शिवराज ने बहनों को सस्ते गैस सिलेंडर का 'राखी गिफ्ट' इसी साल दिया।

पिछले चुनाव में भाजपा से छत्तीसगढ़ की सत्ता छीन लेने वाले भूपेश बघेल ने भी हाईस्कूल/ कॉलेज के विद्यार्थियों को मुफ्त बस सेवा से लेकर 60 साल पूरे कर चुके मजदूरों को 1,500 रुपये मासिक पेंशन की घोषणा के लिए यही अवसर चुना। अब कांग्रेस ने वचन पत्र के रूप में मध्य प्रदेश के लिए अपना जो चुनावी घोषणापत्र जारी किया है, उसमें जातिगत गणना, पुरानी पेंशन बहाली, किसानों के बकाया बिजली बिल माफी, स्नातक बेरोजगारों को 3,000 रुपये भत्ता, महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक, 750 रुपये में गैस सिलेंडर, 100 यूनिट मुफ्त और फिर 200 यूनिट तक आधे रेट पर बिजली के अलावा पढ़ो-पढ़ाओ योजना के तहत स्कूल जाने वाले विभिन्न कक्षाओं के छात्रों को 500 से लेकर 1,500 रुपये तक देने तथा राज्य की अपनी आईपीएल टीम बनाने जैसे वादे शामिल हैं। गरीब छात्रों को मुफ्त शिक्षा, पुस्तकें, मिड डे मील जैसी सुविधाएं तो समझ में आती हैं, लेकिन स्कूल आने के लिए रुपये देकर कौन-सी संस्कृति विकसित करना चाहते हैं? आईपीएल टीम बनाना कब से प्रदेश सरकार का काम हो गया? इससे निवासियों का कौन-सा कल्याण होगा?

लोक-लुभावन घोषणाओं के मामले में तेलंगाना इन तीनों राज्यों को भी पीछे छोड़ देता है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव अपनी चुनावी ताकत जन-कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को ही बताते हैं। जानकर आश्चर्य हो सकता है कि तेलंगाना में कांग्रेस ने विवाह के समय लड़कियों को एक लाख रुपये नकद ही नहीं, एक तोला सोना भी देने का वायदा किया है, क्योंकि वर्तमान सरकार फिलहाल इस मौके पर कुल मिलाकर 1,00,116 रुपये दे रही है। यह भी कि विद्यार्थियों को मुफ्त इंटरनेट दिया जाएगा, महिलाओं को 2,500 रुपये महीना मिलेंगे और गैस सिलेंडर 500 रुपये में। जवाब में केसीआर ने ऐलान किया है कि फिर सत्ता में आने पर किसानों का कर्ज माफ होगा, मुफ्त बिजली मिलेगी, बेरोजगारों को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी, गृह लक्ष्मी योजना में तीन लाख मिलेंगे और आरोग्यश्री के तहत 15 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त होगा।

दरअसल, दल और नेता तो रेवड़ियों की राजनीति में अर्थशास्त्र की परवाह नहीं करते, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक, इन्हें लागू करने में लगभग 37 हजार करोड़ रुपये का खर्च आएगा। कभी तमिलनाडु से शुरू हुआ मुफ्त की रेवड़ियों का चुनावी खेल अब पूरे देश पर हावी है। दिल्ली-पंजाब जीतकर आप ने इसे चुनाव जिताऊ हथियार बना दिया है, जिसे अब हरेक दल आजमा रहा है। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट व चुनाव आयोग भी नसीहत देने से आगे नहीं बढ़ना चाहते। हालांकि, ऐसी ही एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई, 2013 को टिप्पणी की थी कि इससे सभी लोग प्रभावित होते हैं और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की जड़ें काफी हद तक हिल जाती हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अपने शरीर पर महिलाओं का आखिर कितना अधिकार

रंजना कुमारी, निदेशक, सेंटर फॉर सोशल रिसर्च

किसी महिला को क्या उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए सर्वोच्च न्यायालय या किसी विधि संस्था द्वारा बाध्य किया जाना चाहिए? यह एक अत्यंत जटिल और विवादास्पद मामला है। हर देश का अपना कानूनी परिदृश्य होता है और उसके भीतर यह फैसला सांस्कृतिक, धार्मिक व नैतिक मान्यताओं सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकता है। गर्भपात पर चर्चा के केंद्र में नैतिकता अक्सर आड़े आ जाती है।

दूसरी ओर, गर्भावस्था को जारी रखने या खत्म करने सहित, अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने का अधिकार अक्सर एक मौलिक मानवाधिकार माना जाता है। प्रजनन अधिकारों के समर्थकों का तर्क है कि व्यक्तियों, खासकर महिलाओं को अपने प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में विकल्प चुनने की स्वायत्तता होनी ही चाहिए। ऐसे में, सवाल यह हैकि वास्तव में एक महिला के शरीर को कौन नियंत्रित करता है? क्या वह खुद नियंत्रित करती है, उसका परिवार करता है या अदालतों में बैठे लोग करते हैं? इसका शानदार जवाब यह होना चाहिए कि महिलाएं अपने शरीर पर पूरी संप्रभुता रखती हैं। प्रसव के बाद के अवसाद से जूझने, दूसरे बच्चे के पालन-पोषण, शारीरिक व वित्तीय क्षमता का फैसला उसका अपना होना चाहिए। किसी महिला को अपनी गर्भावस्था समाप्त न करने की सलाह देना और बच्चे को किसी को गोद दे देने की सलाह देना बहुत आसान है। क्या हम दूर बैठकर किसी महिला के लिए इतने अहम फैसले ले सकते हैं? सोचकर देखिए, अगर उसके पहले से ही दो बच्चे हैं, जिनमें से एक को वह अभी भी स्तनपान करा रही है, और अब अप्रत्याशित तीसरा बच्चा भी आने वाला है। वह महज एक बच्चा पैदा करने वाली मशीन नहीं है। खासकर, जब वह प्रसवोत्तर अवसाद से पीड़ित होती है या यह मानती है कि वह बच्चे को पालने में असमर्थ है, तब उसका मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण बन जाता है। ऐसे में, उसे गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके लिए जोखिम पैदा करने लगता है। ध्यान रहे, वह अपने सपनों और संघर्षों के साथ एक संपूर्ण इंसान है।

सवाल यह होना चाहिए कि बच्चों की देखभाल में जिम्मेदारी का अधिक न्यायसंगत बंटवारा क्यों नहीं होता है, जिसमें न सिर्फ महिलाएं, बल्कि पुरुष भी शामिल हों, साथ ही व्यवस्था भी शामिल हो। सरकारें ऐसे मामलों में मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल में अपनी भूमिका क्यों नहीं निभातीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका हमें जवाब चाहिए। आखिर क्यों गर्भपात की वैधता और जिन हालात में इसकी मंजूरी दी जाती है, उसकी समीक्षा स्त्री के मानवाधिकार के नजरिये से नहीं की जाती है?

यहां एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि क्या एक महिला को अपने शरीर और प्रसव के बारे में निर्णय लेने का अधिकार है? क्या हमारी कानून-व्यवस्था ऐसे मामलों में त्वरित निर्णय लेने में सक्षम है? जी, यहां समय बहुत महत्वपूर्ण है। अफसोस की बात है कि ऐसी सोच या ऐसे सवाल अक्सर फैसलों से नदारद रहते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में महिलाओं के लिए क्या संदेश निहित है, जिसमें गर्भपात से इसलिए इनकार किया गया है, क्योंकि गर्भावस्था 26 सप्ताह की है और कानूनी रूप से सिर्फ 24 सप्ताह तक गर्भपात कराया जा सकता है? शीर्ष अदालत का फैसला भारत की महिलाओं को यह स्पष्ट संदेश देता है- आपके प्रजनन अधिकारों की सीमाएं हैं। गर्भावस्था के एक निश्चित चरण के बाद भ्रूण या जन्म लेने वाले शिशु का कल्याण आपकी व्यक्तिगत स्वायत्तता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। यह अदालती फैसलाएक चिंताजनक मिसाल कायम करता है, जो स्त्रियों के अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने के मौलिक अधिकार को कमजोर करता है और सुझाव देता है कि महिलाएं अपनी पसंद का फैसला करने में असमर्थ हैं।

भारत में कई महिलाएं ऐसी चुनौतियों का सामना करती हैं, पर उन्हें सुरक्षित और कानूनी गर्भपात सेवाओं तक पहुंच से वंचित कर दिया जाता है। यह संघर्ष एक लंबी लड़ाई का हिस्सा है, महिलाओं को वह स्वायत्तता और स्वतंत्रता प्रदान करने का सतत प्रयास है, जिसकी वे हकदार हैं। साथ ही, उनके शरीर पर पितृ-सत्तात्मक पकड़ को ढीला करने का भी प्रयास है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

किसान की जीवन निर्वाह आय यकीनी बनाएं

देविंदर शर्मा

किसानों के लिए जीवन निर्वाह आय की विभिन्न परिभाषाएं दी जाती रही हैं। इसको लेकर एक परिभाषा 1.8 मिलियन से अधिक किसानों के सहकार वाले वैश्विक आंदोलन फेयरट्रेड इंटरनेशनल ने भी दी है जिसके मुताबिक, घर के सभी सदस्यों के लिए एक सभ्य जीवन स्तर वहन करने के लिए पर्याप्त आय- जिसमें पौष्टिक आहार, स्वच्छ पानी, ठीक-ठाक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य मूलभूत ज़रूरतों के साथ ही आपातकालीन स्थिति और बचत के लिए थोड़ा अतिरिक्त-उसके बाद जब एक बार कृषि लागत कवर हो जाये।

अपने विनम्र ढंग से मैं लगातार उस आर्थिक नुकसान की ओर ध्यान दिलाता रहा हूं जिसे भारतीय किसान झेल रहे हैं। किसानों को जीवन निर्वाह योग्य आमदन देने में आनाकानी ने कृषि संकट को बढ़ावा दिया है। दशकों से, हालांकि कृषि पैदावार में आशातीत वृद्धि हुई है लेकिन किसान की आय में सतत गिरावट जारी रही है। कई तरह से, यह कहना गलत नहीं होगा कि पैदावार में वृद्धि कृषक परिवारों की असल आमदन में औसत गिरावट की विपरीत समानुपातिक रही है।

साल 2016 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 17 राज्यों में, यानी तकरीबन आधे देश में किसानों की औसत आमदन मात्र 20,000 रुपये यानी 241 डॉलर प्रति वर्ष थी। इसका अर्थ है कि एक औसत किसान परिवार 1,700 रुपये यानी 21 डॉलर प्रति माह से कम में गुजर-बसर कर रहा था। यदि आप गांव में रहते हैं तो यह आय एक गाय पालने के लिए भी काफी नहीं है। ऐसी हास्यास्पद आय के साथ, किसान जिस दुख और अभाव की स्थिति में रहते हैं उसकी यकीनी तौर पर कल्पना की जा सकती है।

यह दयनीय आय स्तर आधे देश में रह रहे किसानों के लिए है। परंतु राष्ट्रीय स्तर पर भी तसवीर इतनी ही अपमानजनक है। कृषक परिवारों के लिए सिचुएशनल एसेसमेंट सर्वे 2019 के मुताबिक, किसान परिवार की सभी स्रोतों से औसत मासिक आय मात्र 10218 रुपये यानी 123 डॉलर बनती है। यह मानते हुए कि देश की कुल जनसंख्या का लगभग 50 फीसदी हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर खेती में कार्यरत है, किसानों की दुर्दशा के पीछे मौजूद प्राथमिक वजह साफतौर पर समझे जाने योग्य है।

वैश्विक स्तर पर भी, खेती का परिदृश्य इतना ही निराशाजनक है। यदि कृषि में बड़े पैमाने पर घरेलू समर्थन जो 2019-21 में सार्वजनिक बजट से भुगतान किया गया 500 बिलियन डॉलर-वापस ले लिया गया, तो विकसित देशों में खेती में जो कुछ भी बाकी है, उसका पतन निश्चित है। सरल शब्दों में कहें तो खेती करने वाली आबादी को लगातार वेंटिलेटर पर रखने का निरंतर प्रयास ही किसानों को जीवित रखता है, और किसी तरह से सभी रुकावटों के खिलाफ संघर्ष करने का बंदोबस्त करता है।

दुनिया के सामने आ रहा खेती से यह पलायन एक आर्थिक षड्यंत्र का परिणाम है जिसने जानबूझकर खेती को गरीब बनाए रखा है। अन्य शब्दों में, विश्व स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर भी, यह आर्थिक डिजाइन है जिसने कृषक परिवारों को जीवन निर्वाह योग्य आय से महरूम कर दिया है, जिससे कृषि के पराभव को और बदतर कर दिया है। इस अहम मोड़ पर, फेयर ट्रेड, सॉलिडेरिडाड, रेनफॉरेस्ट एलायंस, ऑक्सफैम और माइटी अर्थ सहित 70 अंतर्राष्ट्रीय सिविल सोसायटी संगठनों (सीएसओ) के एक ग्रुप को यूरोपीय संघ के कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी ड्यू डिलिजेंस निर्देश (सीएसडीडीडी) में संशोधन की मांग करते हुए देखना बहुत खुशी की बात है जो प्रस्ताव में जीवन निर्वाह आमदन और खरी खरीद प्रथाओं को शामिल करने के लिए है। 'हम सीएसडीडीडी और कंपनियों की वैश्विक मूल्य शृंखलाओं के मानव अधिकारों और पर्यावरणीय प्रभाव को संबोधित करने के इसके लक्ष्य का स्वागत करते हैं। हालांकि, सकारात्मक बदलावों को लाने के लिए, इसे अधिकार धारकों के हितों और जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए, खास तौर पर उनके जो वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में सबसे कमजोर हैं।

हालांकि यूरोपियन संसद ने पहले ही जीवन निर्वाह आय का संदर्भ (अनुलग्नक का भाग 1, उपशीर्षक 1, बिंदु 7) शामिल कर लिया है जिसमें कहा गया है कि काम की न्यायसंगत और अनुकूल परिस्थितियों का आनंद लेने का अधिकार, जिसमें सभ्य जिंदगी जीने के योग्य पारिश्रमिक भी शामिल है। सीएसओ की संयुक्त याचिका में 'स्वरोजगार वाले श्रमिकों के लिए जीवन निर्वाह योग्य मजदूरी और छोटे किसानों के लिए जीवन निर्वाह आय का अधिकार दोनों शामिल हैं' जिसमें गुजारे योग्य आय का स्पष्ट संदर्भ मांगा गया है ताकि छोटे भूमालिक और अन्य कमजोर वर्ग वास्तव में लाभ उठा सकें।

यह जानते हुए कि छोटे भूमालिक दुनिया की कुल खाद्य आपूर्ति का एक तिहाई हिस्सा पैदा करते हैं, और मूल निवासी एवं स्थानीय समुदाय वनों के करीब 1 बिलियन हेक्टेयर का प्रबंधन करते हैं, उनकी गुजारे लायक आजीविका सुरक्षा यकीनी बनाना महत्वपूर्ण है। ये समुदाय समाज के शंकु के निचले पायदान रहते हैं। गरीबी से पार पाने को इन संवेदनशील समुदायों के लिए निर्वाह योग्य आय के साथ गुजारे योग्य पारिश्रमिक सुनिश्चित बनाना जरूरी है। जबकि जी-20 का प्रयास ग्लोबल वेल्यू शृंखलाओं को मजबूती प्रदान करना है लेकिन इन कंपनियों को आधारभूत कच्चे माल के उत्पादकों के लिए आय सुरक्षा प्रदान करने का स्पष्ट निर्देश शामिल करना कभी किसी नीति निर्देशक का हिस्सा नहीं रहा है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals

Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कलेक्टर द्वारा शातिर गुण्डा बदमाश को केंद्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध करने आदेश पारित

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने पुलिस अधिक्षक जिला दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर शातिर गुण्डा बदमाश घनश्याम उर्फ पप्पू साहू पिता पचकौड़ के विरूद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 के वैधानिक प्रवाधानों के अंतर्गत 3 माह की कालावधि के लिए केंद्रीय जेल दुर्ग में निरूद्ध किए जाने हेतु 18 अक्टूबर 2023 को आदेश पारित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घनश्याम उर्फ पप्पू साहू पिता पचकौड़ उम्र-35 वर्ष निवासी बजरंग नगर, कंडरापारा दुर्ग थाना दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग सिटी कोतवाली दुर्ग थाना क्षेत्र का शातिर गुण्डा-बद्माश है, जो वर्ष 2013 से लगातार अपराध घटित कर रहा है। पुलिस थाना में 9 अपराध दर्ज है। पप्पु साहू के आपराधिक गतिविधियों से जन साधारण को आतंकित, भयभीत एवं अशांति पूर्ण जीवन निर्वहन करने तथा लोगों में इतना भय एवं आतंक फैला दिया है जिसके कारण लोग उसके विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने एवं साक्ष्य देने से डरने लगे हैं। आदतन गुण्डा-गर्दी, मारपीट, चाकूबाजी, दादागिरी एवं चोरी जैसे अपराध घटित करने के कारण पप्पु साहू पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत् कार्यवाही भी की गई है। इसके बाद भी इसके आदतों में कोई सुधार परिलक्षित नहीं हुआ है। गंभीर वारदात करने के बाद भी कुछ दिन जेल में रहकर छूट जाता है। जेल से बाहर आते ही पुनः अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो जाता है। इनके कृत्यों से सार्वजनिक जीवन तथा लोक व्यवस्था प्रभावित हुई है।

जामुल सीमेंट वर्क्स संरक्षित क्षेत्र घोषित

दुर्ग। लेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम की वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा जिला मजिस्ट्रेट को दी गई अधिकारिता के अनुसार जामुल सीमेंट वर्क्स जिला दुर्ग की संपूर्ण क्षेत्र को एक वर्ष अवधि के लिए संरक्षित क्षेत्र घोषित किया है। संरक्षित क्षेत्र में विधि द्वारा अधिकृत व्यक्तियों एवं आवेदक द्वारा प्रवेश करने के लिए अधिकृत व्यक्तियों को छोड़ कर अन्य व्यक्तियों का उक्त क्षेत्र में प्रवेश प्रतिसिद्ध रहेगा। यह आदेश जारी होने की तिथि से अधिकतम एक वर्ष के लिए रहेगा। आदेश में जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आवश्यकता अनुसार परिवर्तन किया जा सकेगा। एसीसी लिमिटेट जामुल वर्क्स के संरक्षित स्थान में संयंत्र क्षेत्र- नगर पालिका जामुल के तहत लेवर केंप एरिया सिमाएं, पूर्व में- राजीव नगर से लगा हुआ गेट तथा बाउंड्रीवाल, पश्चिम में - राजीव नगर से लगा हुआ गेट तथा बाउंड्रीवाल, पश्चिम में- लेवर कैंप से लगा हुआ गेट तथा बाउंड्रीवाल, शेष कालोनी से लगा हुआ गेट तथा बाउंड्रीवाल, दक्षिण में - घासीदास नगर से लगा हुआ गेट तथा बाउंड्रीवाल। खदान क्षेत्र- नगर पालिका जामुल के सीमा क्षेत्र में सीमाएं, पूर्व में- जामुल गांव से लगा हुआ बाउंड्रीवाल, पश्चिम में- ढौर गांव से लगा क्षेत्र। एसीसी कालोनी- नगर पालिका जामुल के सीमा क्षेत्र में सिमाएं, पूर्व में- शिवपुरी गांव से लगा हुआ बाउंड्रीवाल, पश्चिम में- लेवर कैंप से लगा हुआ गेट तथा बाउंड्रीवाल, दक्षिण में - राजीव नगर से लगा हुआ गेट तथा बाउंड्रीवाल। पथरिया खदान क्षेत्र- नगर पालिका अहिवारा से लगा हुआ क्षेत्र, पथरिया गांव से लगा हुआ गेट एवं खदान क्षेत्र। नंदिनी खुदिनी खदान क्षेत्र- नगर पालिका अहिवारा से लगा हुआ क्षेत्र नंदिनी खुंदिनी तथा मेड़ेसरा गांव से लगा हुआ गेट तथा खदान क्षेत्र शामिल है।

व्यापारियों को ऑफलाइन की बजाय मेनलाइन कहा जाये

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देश के व्यापारिक समुदाय के लिए ऑफ़लाइन कहने पर गहरी को आपत्ति जताई है।

और इसे व्यापारियों के लिए अपमानजनक शब्द बताते हुए कहा है कि ऑफ्लाइन का अर्थ है। बाहर हो जाना या समाप्त हो जाना जबकि देश के व्यापारी अनेक शताब्दियों से व्यापार में ही रहकर व्यापार कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें ऑफ्लाइन की संज्ञा देना उचित नहीं है। व्यापारियों को मेनलाइन कहा जाना चाहिए।

कन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने आक्रामक रूप से कहा कि व्यापारियों के लिए ऑफ़्लाइन शब्द का आविष्कार किसने किया ऐसा लगता है कि यह विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों की एक भयावह साजिश है, जो खुद को ऑनलाइन और व्यापारियों को ऑफ्लाइन कहती है, जो भारत के व्यापारिक समुदाय की गरिमा और क्षमताओं को कमजोर करने के अलावा और कुछ नहीं है।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा की ऑफ़्लाइन शब्द व्यापारिक समुदाय के बड़े योगदान को पूरी तरह नकारता है और उनके अस्तित्व पर ही एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। देश भर में व्यापारी एक मजबूत आपूर्ति श्रृंखला संचालित करते है। और उपभोक्ताओं के साथ अंतिम मील तक सीधे जुड़ने का एकमात्र माध्यम है।

कन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री परमानन्द जैन और प्रदेश महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि कैट और रिटेल व्यापार से जुड़े अन्य संगठन अब से हर मंच पर चाहे वह सरकारी हो या निजी, उन्हें ऑफ्लाइन बुलाने पर आपत्ति जताएंगे और उन्हें मेनलाइन कहने का आग्रह करेंगे। कैट केंद्र सरकार के मंत्रालयों और अन्य विभागों और राज्य सरकारों तक पहुँच कर उन्हें व्यापारियों को मेनलाइन के रूप में ही परिभाषित करने की ज़ोरदार माँग करेगा।

कैट की इस पहल में ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन, ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन एसोसिएशन, ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन, ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन, ऑल इंडिया एडिबल ऑयल ट्रेडर्स एसोसिएशन, कंप्यूटर मीडिया डीलर्स एसोसिएशन, फेडरेशन ऑफ सहित खुदरा व्यापार के विभिन्न क्षेत्रों के अन्य राष्ट्रीय संगठन ऑल इंडिया टी ट्रेडर्स एसोसिएशन, फेडरेशन ऑफ पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और कई अन्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय व्यापार संगठन कैट के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे ।

स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देश पर जिले में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत जिले में लगातार मतदाता जागरूकता से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत लोगों को शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही बिना किसी भय व लोभ के निष्पक्ष मतदान करने की समझाईश दी जा रही है। जिलेवासियों को निष्पक्ष और भयमुक्त होकर अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जिले के मनरेगा श्रमिक, मैट एवं रोजगार सहायकों को मनरेगा संचालित कार्य स्थल में मतदान करने के लिए शपथ दिलाया गया।

साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। इस दौरान मनरेगा श्रमिकों ने मतदाता जागरूकता शपथ लेकर कहा कि हम स्वयं जागरूक रहकर मतदान करेंगे साथ ही अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे।

ईव्हीएम एवं वीवीपैट के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण बीआईटी कॉलेज में सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत निर्वाचन कार्य के लिए नियुक्त सेक्टर अधिकारियों, पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान दल क्रमांक 1 को आज बी.आई.टी. कालेज में प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों ने अधिकारियों को निर्वाचन कार्य के दौरान उनके दायित्वों, तकनीकी जानकारी के साथ बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी।

अधिकारियों को ई.व्ही.एम. से मतदान कराने की विधिवत् प्रक्रिया, मशीन के सिलिंग करने, वोटिंग करने एवं वोटिंग के पश्चात् मशीन के सिलिंग के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही सभी निर्देशों और बारीकियों को भली-भांति समझ कर प्रयोग के तौर पर मशीन का संचालन, वोटिंग करने के तरीके से रू-ब-रू होने कहा गया है। जिले के 6 विधानसभा क्षेत्र दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण, वैशाली नगर, भिलाई नगर, पाटन और अहिवारा के लिए नियुक्त मतदान दल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण के दौरान बैलेट यूनिट को वीवीपैट से कनेक्ट और वीवीपैट को कंट्रोल यूनिट से कनेक्ट करने की प्रक्रिया बतायी गई है। साथ ही वीवीपैट के पेपर रोल, कंपाटमेंट, बैलेट स्लीप कंपाटमेंट, पावर पैक कंपाटमेंट और कन्टेनर कंपाटमेंट के संबंध में अवगत कराया गया।

मॉकपोल शुरू करने के पहले पावर स्वीच ऑन करना और मॉकपोल के बाद पावर स्वीच ऑफ करने के साथ ही निर्धारित समय पर मॉकपोल की प्रक्रिया सावधानीपूर्वक पूर्ण करने की सलाह दिए। इस दौरान मशीन सिलिंग, अड्रेस ट्रैक, एजेंट का हस्ताक्षर, पीठासीन अधिकारी का घोषणा पत्र के साथ निर्वाचन कार्य में बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया गया। इस दौरान मास्टर ट्रेनरों द्वारा ई.व्ही.एम.-वीवीपैट के संबंध में अधिकारी-कर्मचारियों की शंकाओं का भी समाधान किया गया।

शत-प्रतिशत मतदान के लिए लगातार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का हो रहा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। आगामी विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर लोगों को अपना मताधिकार का उपयोग करने विशेष अभियान चलाकर जागरूक किया जा रहा है ।जिले में प्रतिदिन मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से विभिन्न वर्गो को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ।लोगों को जागरूक करने के लिए जिले में संकल्प गरियाबंद अभियान का भी संचालन किया जा रहा है।

इसके तहत संकल्प एक अभियान, शत प्रतिशत हो मतदान के सिद्धांत पर प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है ।इसी कड़ी में आज 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को घर-घर जाकर शत् प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक किया गया ।अभियान के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,मितानिन एवं समूह के सदस्यों ने बुजुर्गों को मतदान दिवस में अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया ।साथ ही वृद्धजनों को शत् प्रतिशत मतदान का संकल्प भी दिलाया गया।

अभियान में जिले के 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए स्वयं मतधिकार का उपयोग करने और अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करने की बात कही। मतदाता जागरूकता के विशेष अभियान के तहत ग्राम टोनहीडबरी,कोदोबतर,बारूका,घुटकूनवापारा, खरता, सिवनी लफंद्री, हथखोज, कोमा, सोनासिल्ली,चिखली सहित जिले के अन्य गांवों में भी 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वृद्धजनों को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक किया गया।

7 नवम्बर को भूल ना जाना, मतदान का कर्तव्य निभाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

थीम के जरिए जागरूक किया जाएगा जिले के मतदाताओं को

कांकेर। जिले में निर्वाचन की तिथि तय हो चुकी है जिसका काउंटडाउन प्रारम्भ हो चुका है। जिले में स्थित तीनों विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक करने नित नई पहल हो रही है। अलग अलग गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को उनके मताधिकार के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विकासखण्ड मुख्यालयों व नगरीय निकायों में '20 डेज टू गो' के फॉर्मेशन में मतदान दिवस यानी 07 नवम्बर को मतदान अवश्य करने की अपील की गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि उक्त वोटर्स जागरूकता अभियान के तहत '07 नवम्बर को भूल ना जाना, मतदान का कर्त्तव्य निभाना की थीम के आधार पर मतदान दिवस तक अभियान चलाकर जिले के शत-प्रतिशत मतदाताओं को उनके मताधिकार का प्रयोग करने लगातार प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने एक बार पुनः जिले के मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व का हिस्सा बनकर स्वस्थ एवं स्वच्छ लोकतंत्र का निर्माण करने में सुनिश्चित सहभागी बनने की अपील प्रत्येक मतदाता से की है।

डेंगू की रोकथान हेतु सघन अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । दुर्ग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जिनमें से भिलाई नगर निगम क्षेत्र व दुर्ग नगर निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम के अगले द्वारा डेंगू से संबंधित नियंत्रण व रोकथाम का कार्य निरंतर किया जा रहा है। आज 19 अक्टूबर 2023 को डेंगू एलिजा पॉजिटिव के प्रकरण निरंक है। वर्तमान में 05 मरीज भर्ती है एवं कोई भी मरीज की गंभीर स्थिति नहीं है।

मरीजों को निवास क्षेत्रों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा मास्किटो सोर्स रिडक्शन का कार्य दैनिक रूप से किया गया है। नगर निगम भिलाई, चरोदा, रिसाली जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं नगर निगम दुर्ग की टीम के द्वारा लगातार डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में लार्वा नष्टीकरण के लिए टेमीफॉस एवं एडिस मच्छर को नष्ट करने के लिए मेलाथियॉन से फॉगिंग का कार्य किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे. पी. मेश्राम के अनुसार डेंगू नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु दुर्ग, भिलाई, चरोदा रिसाली नगर निगम जनस्वास्थ्य विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण/शहरीय की टीम द्वारा कुल 149211 घरों का सर्वेक्षण किया जा चुका है, जांच किये कुलर पानी टंकी व अन्य कंटेनर की संख्या-182835 जिनमें से 74301 खाली कराये गये। सभी कंटेनरों में 108545 स्थानों में टेमीफास डालकर लार्वा का नष्टीकरण किया गया. 151991 पाम्पलेट के माध्यम से डेंगू व मलेरिया से बचाव, के लिए स्वास्थ्य शिक्षा दी गयी। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, सभी नगर निगम एवं मीडिया के द्वारा लगातार लोगों से यह अपील की जा रही है कि सप्ताह में एक दिन शुष्क दिवस के रूप में मनाया जाना डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए उचित होगा। उस दिन घर के सारे कन्टेंनर जैसे कुलर, पानी टंकी व अन्य जिसमें बारिश का पानी एकत्रित हो उसको समतल जगह में उस पानी की निकासी की जाये। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए कारगर होगा। अपील नही मानने पर यदि किसी घर मे पहली बार लार्वा मिलता है, तो नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा समझाईश दी जाएगी और दुसरी बार लार्वा मिलने पर 500 रू. से लेकर 5000रू. तक का अर्थदंड वसूला जाएगा जिसकी जवाबदारी स्वयं की होगी। अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे के द्वारा लोगो से यह अपील की जाती है कि बुखार आने पर मलेरिया एवं डेंगू की जॉब की जाये डेंगू एवं मलेरिया की जॉच जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सभी सानु. स्वा. केन्द्र / प्राथ. स्वा.के. शहरी प्राथ. स्वा. केन्द्र, उपस्वास्थ्य केन्द्र, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में जॉच निःशुल्क किया जा रहा है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सार्वजनिक अवकाश, माह के चौथे शनिवार को जमा नही होगा नाम निर्देशन

रायपुर (ए)। जिले में विधानसभा चुनाव के लिए सातों विधानसभाओं की नाम निर्देशन प्रक्रियां 21 अक्टूबर शनिवार से शुरू हो जाएगी। गुरुवार को रेडक्रास सभाकक्ष में नाम निर्देशन संबंधी, प्रशिक्षण में सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को जरूरी प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सर्वेश्वर भुरे ने सभी अधिकारियों को नाम निर्देशन के लिए जरूरी व्यवस्थांए 20 तारीख तक पूरी करने के निर्देश भी दिए हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार दूसरी चरण में रायपुर जिले की सात विधानसभाओं में 21 अक्टूबर से नामांकन शुरू होगा। सार्वजनिक अवकाशों वाले दिनो और माह के चौथे शनिवार को नाम निर्देशन कार्य नही होगा। इस हिसाब से 22 अक्टूबर, 24 अक्टूबर, 28 अक्टूबर और 29 अक्टूबर को छुट्टी के दिनों में नाम निर्देशन की कार्रवाई नही होगी। जिले में नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी को नाम निर्देशन हेतु प्रारुप-2 ख तथा प्रारुप 26 शपथ पत्र प्रदान किया जाना है।

रिटर्निंग अधिकारियों के प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर ने बताया कि नाम निर्देशन के समय रिटर्निंग कार्यालय के 100 मीटर की परिधि में केवल तीन वाहनों को अनुमति होगी एवं अभ्यर्थी समेत केवल 5 व्यक्ति को आने की अनुमति मिलेगी। सर्वप्रथम अभ्यर्थी नाम निर्देशन की निक्षेप राशि जमा कर रसीद प्राप्त करेगा। अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी अगर निक्षेप राशि में छूट चाहते है तो उन्हें सक्षम अधिकारी द्वारा छत्तीसगढ का जाति प्रमाण-पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी। नाम निर्देशन पत्र पर तत्काल क्रम संख्या, दिनांक व समय लिखें और आरओ, एआरओ विधानसभा संख्या तथा विधानसभा का नाम लिखकर हस्ताक्षर करेंगे। एक अभ्यर्थी अधिकतम दो विधानसभा क्षेत्रों में नाम निर्देशन कर सकेगा।

मास्टर ट्रेनर ने बताया कि अभ्यर्थी को नाम निर्देशन पत्र के साथ स्वयं की 2'2.5 से.मी. आकार की नवीनतम टिकट साइज फोटो जमा करनी होगी, चेहरा स्पष्ट एवं सामने का व्यू हो तथा गहरे रंग का चश्मा न हो। ब्लेक एण्ड व्हाईट या कलर, आंखे खुली, चेहरे पर सामान्य भाव, बैकग्राउण्ड सफेद तथा ऑफ व्हाइट, सामान्य कपड़ों में होना चाहिए। फोटो की दूसरी तरफ अभ्यर्थी निर्वाचन अभिकर्ता के हस्ताक्षर होने चाहिए, यह फोटो बैलेट यूनिट में प्रयुक्त होगी। साथ ही निर्धारित प्रारुप में घोषणा पत्र भरेगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी को नाम निर्देशन के कम से कम एक दिन पूर्व नया बैंक खाता खोलना होगा एवं पासबुक के प्रथम पेज की छायाप्रति संलग्न करनी होगी तथा उसका नंबर नाम निर्देशन भरते समय देना होगा।

रायपुर के पुरानी बस्ती में 60 वर्षो से हो रही माता रानी की स्थापना, दर्शन के लिए दूर-दूर से आते हैं भक्त

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती स्थित बरई पारा लिली चौक में श्री नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा बीते 60 वर्षों से लगातार मातारानी की स्थापना हो रही है। इस वर्ष भी 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक नवरात्रि पर्व का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस बार बड़े से मैदान में माता रानी की मूर्ति स्थापित की गई है और साथ ही साथ पूरे मैदान को बहुत सुंदर सजाया गया है जिसमें रात्रि में मोहल्ले के माताएं बहने बच्चे सभी की सभी मिलकर गरबा नृत्य करते हैं और भी बहुत से रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है और पुरस्कार भी वितरण किया जा रहा है।

माता की प्रतिमा स्थापित कर रहे रास-गरबा

श्री नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति बरई पारा लिली चौक पुरानी बस्ती में विराजमान दुर्गा माता की प्रतिमा में नई-नई साड़ी से श्रृंगार किया जाता है, इसलिए आसपास के क्षेत्र में बरई पारा की माता रानी बहुत ही प्रसिद्ध है दूर-दूर से लोग इसे देखने के लिए आते हैं। पंडाल में बड़े छोटे सभी के सभी धोती कुर्ता पहनकर ही पंडाल में चढ़कर आरती पूजा किया जाता है पूरे नियम धर्म के साथ यहां पर हर एक लोग बड़े उत्साह के साथ नवरात्रि का पावन पर्व मना रहे हैं।

लाइट और साउंड से चैतन्य देवियों की झांकी लोगों को लुभा रही

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा नवरात्रि के अवसर पर नवा रायपुर के सेक्टर-20 में ईमर्सिव डोम के बाजू में स्थित एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड-शान्ति शिखर में सजायी गई चैतन्य देवियों की झांकी अपनी अलौकिकता के कारण लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस झांकी का शुभारंभ सीआइडी के महानिरीक्षक सुशील त्रिवेदी, वाणिज्यिक न्यायालय के न्यायाधीश जयदीप गर्ग, शिवानी गर्ग, समाजसेवी कुलदीप ढांड और ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने दीप प्रज्वलित करके किया। इसी प्रकार शांति सरोवर रायपुर में आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी का अवलोकन कर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, एनआइटी के डायरेक्टर एनवी रमना राव ने कहा कि चैतन्य देवियों की झांकी अद्भुत और दर्शनीय है। उन्हें शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर के सुंदर परिसर में आकर गहन शांति की अनुभूति हुई। जीवन की सभी समस्याओं का समाधान राजयोग मेडिटेशन द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। यह झांकी आगामी मंगलवार, 24 अक्टूबर तक रहेगी तथा इसे देखने का समय प्रतिदिन शाम को छह से रात्रि 10 बजे तक रखा गया है। इस झांकी में संगीतमय कमेन्ट्री के माध्यम से विशाल रंगमंच पर विराजित शिव शक्तियों की महिमा का लाइट और साउंड के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र होती है।

14 महिलाएं रोज पांच सौ घरों के मतदाताओं को कर रही जागरूक, अब तक चार हजार से ज्यादा घरों में किया संपर्क

रायपुर (ए)। नगर निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। जोन दो में स्व-सहायता समूह की 14 महिलाएं लगातार लोगों के घर-घर जाकर उन्हें मतदान के प्रति जागरूक करने के साथ ही सही मतदान की शपथ भी दिला रहीं हैं।

आचार संहिता लगने के बाद शुरू किए गए इस अभियान के तहत अब तक महिलाएं पांच हजार से ज्यादा घरों तक पहुंच कर लागों को 17 नवंबर को मतदान करने जाने के लिए जागरूककर शपथ दिला चुकी हैं। इसके साथ ही लोगों को महामारी सहित डेंगू, मलेरिया और मच्छरजनित रोगों को लेकर भी जागरूक कर रही हैं।

जोन दो के अंतर्गत आने वाले सभी सात वार्डों में महिलाएं जाकर लोगों को उनके मत के अधिकार का महत्व समझा रही हैं। इसके लिए हर वार्ड में दो-दो महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। रोजाना चार सौ से पांच सौ घरों में जाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही हैं।

जोन आयुक्त आरके डोंगरे ने बताया कि यह अभियान आचार संहिता के बाद से ही शुरू किया गया है। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों व कालोनियों में रैलियां निकालकर भी लोगों को मतदान का महत्व समझाया जा रहा है। यह अभियान जब तक चुनाव नहीं हो जाता, तब तक चलाया जाएगा और इस बार रिकार्ड तोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

मतदाताओं को भ्रमित करने वाले विज्ञापनों पर लगेगी रोक

रायपुर (ए)। निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के साथ ही प्रिंट मीडिया में भ्रामक प्रकृति के विज्ञापनों के प्रकाशन को रोकने के संबंध में निर्देश दिए हैं। इसके तहत मतदान दिवस और उसके एक दिवस पूर्व प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण आवश्यक है। भारत निर्वाचन आयोग से इस संबंध में जारी परिपत्र की जानकारी देते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन हेतु पहले चरण के मतदान दिवस के एक दिन पूर्व तथा मतदान दिवस को (अर्थात 6 और 7 नवम्बर 2023 को) एवं दूसरे चरण के मतदान दिवस के एक दिन पूर्व तथा मतदान दिवस को (अर्थात 16 एवं 17 नवंबर 2023 को) प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के प्रकाशन के पूर्व जिला अथवा राज्य स्तरीय मीडिया प्रमाणन समिति से विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणन अनिवार्य किया गया है।

दो पंचायत सचिव पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग ने आवेदकों को समय पर सूचना देने में लापरवाही बरतने और सूचना का अधिकार अधिनियम का समुचित क्रियान्वयन नहीं किए जाने पर ग्राम पंचायतों के 2 सचिव पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। राज्य सूचना आयुक्त मनोज त्रिवेदी ने बलौदाबाजार जिले के नगरदा ग्राम पंचायत के सचिव गोटीलाल पटेल और महासमुंद जिले के ग्राम पंचायत परघिया के सचिव अरुण बुढेक पर यह जुर्माना लगाया है। राज्य सूचना आयुक्त ने संबंधित जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को जुर्माने की राशि वसूल कर शासन के खाते में जमा कर आयोग को पालन प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए हैं।

जांच व अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश

राज्य सूचना आयुक्त ने एक आवेदक को दो वर्ष विलंब से जानकारी देने के मामले में तत्कालीन जन सूचना अधिकारी एवं महासमुंद जिले के पिथौरा के तहसीलदार बनसिंह नेताम के विरुद्ध सामान्य प्रशासन विभाग को जांच कर दोषी पाए जाने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। नेताम वर्तमान में सुकमा जिले में डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदस्थ है। इस प्रकरण में यह पाया गया है कि तत्कालीन जन सूचना अधिकारी तहसीलदार पिथौरा ने यह कहा है कि उन्हें पंजीकृत डाक से भेजा गया आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। अतः राज्य सूचना आयुक्त ने सामान्य प्रशासन विभाग को किसी सक्षम अधिकारी से इस तथ्य की जांच कराने कहा है कि आवेदक द्वारा पंजीकृत डाक से भेजा गया मूल आवेदन जन सूचना अधिकारी के कार्यालय में प्राप्त हुआ है अथवा नहीं। और यदि प्राप्त हुआ है तो किस कर्मचारी के द्वारा प्राप्त किया गया है और उसके द्वारा मूल आवेदन को जन सूचना अधिकारी के संज्ञान में क्यों नहीं लाया गया। यदि जांच में तत्कालीन जन सूचना अधिकारी नेताम दोषी पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए।

एक अन्य प्रकरण में महासमुंद जिले के ग्राम पंचायत बोइरलामी के तत्कालीन जन सूचना अधिकारी वृदावन विश्वकर्मा के विरुद्ध वर्तमान जन सूचना अधिकारी को संपूर्ण प्रभार नहीं देने, प्रथम अपीलीय अधिकारी के समक्ष सुनवाई में 15 दिवस में जानकारी उपलब्ध करा देने का कथन करने और प्रथम अपीलीय अधिकारी के आदेश के बाद भी आवेदक को जानकारी नहीं देने के लिए विश्वकर्मा के विरुद्ध नियमानुसार जांच कर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश जिला पंचायत के सीईओ को दिए गए हैं।

पांचवे दिन 114 नामांकन पत्र दाखिल, पहले चरण के लिए अब तक 127 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए 201 नामांकन पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के पहले चरण के 20 विधानसभा क्षेत्रों के लिए पांचवे दिन 114 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इस प्रकार पहले चरण के लिए अब तक कुल 127 अभ्यर्थियों ने 201 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

आज पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में 16, भानुप्रतापपुर, नारायणपुर, जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में 9-9, अंतागढ़ में 8, राजनांदगांव और चित्रकोट में 7-7, कवर्धा, मोहला-मानपुर और बस्तर में 6-6, दंतेवाड़ा में 5, डोंगरगढ़, खुज्जी, केशकाल, कोंटा में 4-4, कोण्डागांव में 3, डोंगरगांव, कांकेर, बीजापुर में 2-2 और खैरागढ़ में 1 नामांकन पत्र दाखिल किया गया है। प्रथम चरण में बस्तर संभाग की 12 विधानसभा क्षेत्रों सहित राजनांदगांव, मोहला -मानपुर -अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़- छुईखदान- गंडई तथा कबीरधाम जिलों के 8 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया जारी है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में दो चरणों में हो रहे निर्वाचन के पहले चरण की 20 सीटों के लिए 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र भरे जा सकते हैं। 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जाँच की जाएगी तथा प्रत्याशी 23 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। प्रथम चरण के लिए 7 नवंबर को मतदान होगा जबकि दोनों ही चरणों के लिए मतगणना 3 दिसंबर को होगी। प्रथम चरण में कोंटा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, चित्रकोट, जगदलपुर, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, केशकाल, कांकेर, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, मोहला-मानपुर, खुज्जी, डोंगरगांव, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, खैरागढ़, कवर्धा और पंडरिया विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान होगा।

सभी विधानसभा के लिए रिटर्निंग ऑफिसर और कक्ष निर्धारित

रायपुर (ए)। राजधानी के सातों विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति कर दी गई है। 21 अक्टूबर से विभिन्न प्रत्याशी द्वारा नामांकन दाखिल करना प्रारंभ हो जाएगा, इसकी अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। धरसींवा विधानसभा के प्रत्याशी कक्ष क्रमांक 21, रायपुर ग्रमीण के लिए कक्ष क्रमांक 09, रायपुर नगर पश्चिम के लिए कक्ष क्रमांक 07, रायपुर नगर उत्तर के लिए कक्ष क्रमांक 12, रायपुर नगर दक्षिण के लिए कक्ष क्रमांक 04, आरग के लिए कक्ष क्रमांक 17 और अभनपुर के लिए कक्ष क्रमांक 11 निर्धारित की गई है। इन कक्षों में प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल कर सकते है। धरसीवां विधानसभ के रिटर्निंग ऑफिसर प्रकाश कुमार टंडन, एसडीएम तिल्दानेवरा, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर बाबूलाल कुर्रे, तहसीलदार धरसींवा, पवन कोसमा तहसीलदार, खरोरा। रायपुर ग्रामीण विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर देवेन्द्र पटेल, एसडीएम रायपुर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर अजय कुमार चंद्रवंशी, तहसीलदार रायपुर, अनीता जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धरसींवा। रायपुर नगर पश्चिम विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर नवीन सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर रायपुर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर उत्तम प्रसाद रजक, डिप्टी कलेक्टर रायपुर, लवन कुमार मंडल, तहसीलदार। रायपुर नगर उत्तर विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर विरेन्द्र बहादुर पंचभाई, अपर कलेक्टर रायपुर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर आशुतोष देवांगन, डिप्टी कलेक्टर रायपुर, जयेन्द्र सिंह, अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

बच्चों की सेहत के लिए ठीक नहीं है चकोतरा

भूल कर भी ना खिलाएं, वरना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

फल खाने से सेहत दुरुस्त रहती है। यह हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद होती है। बच्चों को भी कम उम्र से ही हेल्दी चीजें जैसे फल खाने की आदत डलवानी चाहिए। हालांकि, कुछ फल बच्चों की सेहत के लिए ठीक नहीं माने जाते हैं। इनमें चकोतरा भी शामिल है। चकोतरा सेहतमंद फल माना जाता है। हालांकि बच्चों को ये फल खिलाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। वरना उन्हें नुकसान हो सकता है। आइए जानते हैं बच्चों को कब चकोतरा खिलाना चाहिए और कब नहीं।

बच्चों को चकोतरा खिलाना चाहिए या नहीं

बच्चों को 12 महीने की उम्र से पहले कभी भी खट्टे फल न खिलाने की सलाह दी जाती है। दरअसल, ये फल एसिडिक होते हैं। जिसकी वजह से बच्चे की स्किन पर दाने निकल सकते हैं। हालांकि, पीडियाट्रिशियन की सलाह पर 6 महीने के बाद बच्चों को चकोतरा खिला सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर कोई बच्चा कैल्शियम एंटागोनिस्ट, सिसाप्राइड और सिक्लोस्पोरिन जैसी दवाईयां ले रहा है तो उन्हें चकोतरा नहीं देना चाहिए। क्योंकि चकोतरा खाने से दवा का असर और बायो अवेलिबिलिटी प्रभावित हो सकता है। अगर आपका शिशु कोई दवा ले रहा है तो बच्चों को चकोतरा या उससे बना कोई भी प्रोडक्ट्स खिलाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

चकोतरा कितना फायदेमंद

चकोतरा का गूदा विटामिन ए और सी के साथ पोटेशियम से भरपूर है। इसमें लाइकोपेनिया और नरिंगिन जैसे कई फाइटोकेमिकल्स पाए जाते हैं। इसलिए बच्चों के आहार को संतुलित बनाने के लिए उन्हें चकोतरा दे सकते हैं। चकोतरा में पानी और पोटेशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स की हाई मात्रा छोटे बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचा सकता है। पानी और डायटरी फाइबर की वजह से यह फल बच्चों की आंत को एक्टिव रखने और पाचन में मददगार होता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला फिनोल और फ्लेवेनोन जैसे कंपाउंड्स गट माइक्रोबायोटा को बढ़ावा देने में काफई मददगार हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल से कम उम्र के बच्चों को फलों का रस देना ठीक नहीं होता है। उन्हें चकोतरा ही नहीं किसी भी फल का जूस नहीं देना चाहिए। जूस के मुकाबले फल ज्यादा अच्छे माने जाते हैं। जूस में शुगर की ज्यादा मात्रा होने से दांतों में कैविटी की आशंका रहती है। इसकी वजह से दस्त की समस्या भी हो सकती है। इसलिए एक साल से कम उम्र के बच्चों को फलो का जूस नहीं देना चाहिए।

सुबह-शाम करते हैं वॉकिंग लेकिन नहीं हो रहा फायदा

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे हैं ये 5 गलतियां

चुस्त-दुरुस्त और फिट रहने के लिए आजकल बड़ी संख्या में लोग एक्सरसाइज और वर्कआउट कर रहे हैं। बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो हैवी वर्कआउट की वजह सुबह-शॉम वॉक पर निकल जाते हैं। वॉकिंग भी फिटनेस के लिए बेहतरीन मानी जाती है। हालांकि, वॉकिंग का फायदा तभी मिल पाता है, जब उसे सही तरीके से किया जाए। इसलिए जब भी वॉक पर निकलें तो कुछ बातों का ध्यान रखें। इससे सेहत अच्छी बनी रहेगी। आइए जानते हैं वॉकिंग के दौरान अक्सर लोग कौन सी गलतियां करते हैं।

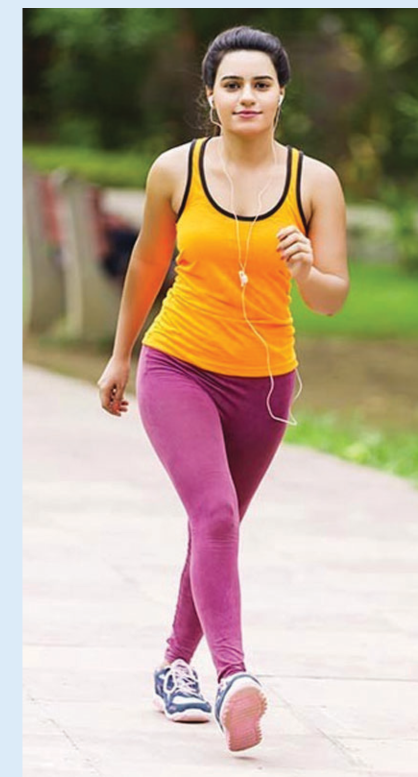

शरीर का सही पोश्चर

वॉक करने का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं तो सबसे पहले बॉडी पॉश्चर में सुधार करें। बॉडी पॉश्चर सही रहने से सही तरह से सांस ले पाते हैं। पैदल चलते समय कभी भी शरीर को नीचे की तरफ न झुकाएं। इससे पीठ में तनाव आता है और संतुलन बिगड़ता है।

हाथों को स्विंग न करना

बहुत से लोगों की आदत होती है कि पैदल चलते समय वे अपने हाथों को स्विंग नहीं करते हैं। इससे चलने का पूरा फायदा उन्हें नहीं मिल पाता है। दरअसल, वॉक करने के दौरान हाथों को स्विंग करना अच्छा माना जाता है। इससे चलने की क्षमता में सुधार होती है और शरीर का संतुलन भी बना रहता है।

गलत फुटवियर पहनना

वॉक करने लिए लिए सही फुटवियर भी जरूरी होता है। अगर सही फुटवियर पहनकर वॉक नहीं करते तो इससे परेशानियां बढ़ सकती हैं। इसकी वजह से पेट से जुड़ी समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। पैरों में छाले तक पड़ सकते हैं।

शरीर को हाइड्रेट रखें

वॉक करते समय शरीर को हमेशा हाइड्रेट रखना चाहिए। इससे थकान और कमजोरी नहीं होती है। शरीर को हाइड्रेट नहीं रखने की वजह से मांसपेशियों में थकान और ऐंठन हो सकती है। इसलिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए।

नीचे की तरफ देखना

कुछ लोग चलते समय नीचे की तरफ देखते हैं। वहीं, कुछ मोबाइल चलाते रहते हैं। ऐसे में वॉक की वजह से होने वाला फायदा नुकसान में बदल सकता है। इससे पीठ और शरीर में दर्द के साथ अकड़न की समस्या हो सकती है। इसलिए वॉक करते समय पूरा फोकस उसी पर रखें।

स्कूप के लिए करिश्मा तन्ना ने जीता बेस्ट लीड एक्ट्रेस का अवॉर्ड

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना, जिन्होंने बुसान फिल्म फेस्टिवल 2023 में नेटफ्लिक्स की सीरीज स्कूप में अपने काम के लिए बेस्ट लीड एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है, ने साझा किया कि फिल्म फेस्टिवल जीतना कितनी बड़ी बात है, लेकिन वह प्रोजेक्ट्स के अनुसार रोल्स चुनने के अपने पैरामीटर्स को बदलती नहीं रहेंगी। करिश्मा ने बुसान फिल्म फेस्टिवल में स्कूप के लिए बेस्ट सीरीज की ट्रॉफी भी जीती, जो एशिया के सबसे प्रसिद्ध सिनेमाई इवेंट्स में से एक है। करिश्मा ने अपनी जीत, जश्न और अपने किरदार जागृति पाठक की यात्रा के बारे में बात की।

करिश्मा ने कहा कि वह अवॉर्ड सेरेमनी में सचमुच एक्साइटेड, लेकिन नर्वस भी थीं।

उन्होंने कहा, इसकी शुरुआत सीरीज कैटेगिरी से हुई, और तुरंत मैंने स्कूप शब्द सुना, इसलिए यह मेरे लिए बहुत अच्छी शुरुआत थी। नर्वस थी, क्योंकि कलाकारों के बीच स्टेज पर जाने वाली मैं पहली थी। मैं नेटफ्लिक्स, पूरे शो का प्रतिनिधित्व कर रही थी, हंसल मेहता सर, कलाकार, हर वर्ग के लोग वहां बैठे थे। यह बहुत ही अवास्तविक था।

करिश्मा ने कहा, फिल्म फेस्टिवल जीतना बड़ी बात है, इसलिए मुझे खुशी है कि मुझे स्कूप के लिए यह एक्सपीरियंस करने को मिला। स्कूप ने करिश्मा को इंटरनेशनल लेवल पर ख्याति दिलाई है।

क्या भविष्य में प्रोजेक्ट चुनने के प्रति उनका परसेप्शन चेंज होगा, इस पर क्योंकि सास भी कभी बहू थी फेम एक्ट्रेस ने जवाब दिया, स्कूप से पहले भी मैं हमेशा से मिनिंगफुल और कॉम्प्लेक्स करेक्टर करना चाहती थी और मुझे नहीं लगता कि यह चेंज होगा, क्योंकि मैं एक एक्टर हूं। इसलिए, मैं प्रोजेक्ट्स के हिसाब से बदलाव नहीं करूंगी।

करिश्मा ने कहा, स्कूप का हिस्सा बनना निश्चित रूप से एक उपलब्धि है। मैं हमेशा कुछ ऐसी चीज की तलाश में रही हूं और इसकी ओर आकर्षित रही हूं जो चुनौतीपूर्ण हो। मैं ऐसा कुछ नहीं कर पाऊंगी, जो मुझे उत्साहित न करे। यही कारण है कि आप मुझे बैक टू बैक ओटीटी या टीवी शो करते हुए कम ही देखते हैं। मुझे कुछ ऐसा चाहिए जो मेरे दिमाग को उत्तेजित करे, जो मुझे सेट पर चुनौती दे। और मैं ऐसा करना जारी रखूंगी।

39 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, मेरा परसेप्शन इस इंडस्ट्री में एक सुंदर लड़की की तरह था। लेकिन अब मैं एक्टिंग टैलेंट से भरपूर सुंदर लड़की के रूप में जानी जाती हूं। इसलिए, उस तरह का परसेप्शन वास्तव में अच्छे के लिए बदल गया।

उन्होंने कहा, लोग अब मुझे अलग नजरिए से देखते हैं। मुझे लगता है कि अगर लोगों के पास पांच कलाकारों के नाम होंगे तो वे मुझ पर भी विचार करेंगे, वक्त बदल गया है। मुझे खुशी है कि मुझे अपनी प्रतिभा साबित करने का मौका मिला है।

स्कूप जिग्ना वोरा के बायोग्राफिकल बिहाइंड बार्स इन बाइकुला- माई डेज इन प्रिजन पर आधारित है। यह जिग्ना वोरा की वास्तविक जीवन की कहानी है, जिन पर जून 2011 में मिड-डे रिपोर्टर ज्योतिर्मय डे की हत्या में शामिल होने का आरोप था। यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है।

अगले साल रिलीज होगी इमरजेंसी कंगना रनौत ने किया ऐलान

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने घोषणा की है कि उनकी फिल्म इमरजेंसी अगले साल रिलीज होगी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसकी घोषणा की। कंगना ने लिखा, डियर फ्रेंड्स, मुझे एक जरूरी अनाउंसमेंट करनी है, इमरजेंसी एक कलाकार के रूप में मेरे जीवन की सीख और कमाई है।

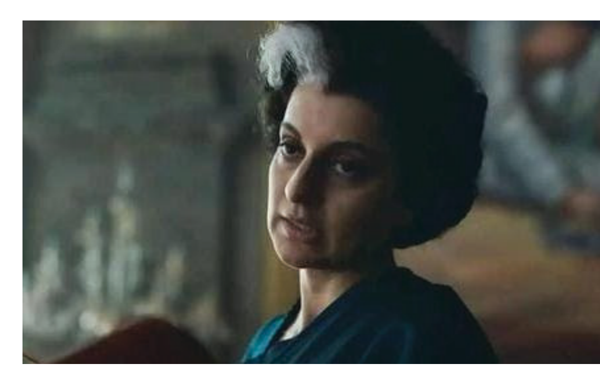

इमरजेंसी मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक इंसान के रूप में मेरे मूल्य और चरित्र की परीक्षा है। हमारे टीजर और अन्य यूनिट्स से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने हम सभी को काफी उत्साहित किया है।

मेरा दिल ग्रेटिट्यूड से भरा हुआ है और मैं जहां भी जाती हूं लोग मुझसे इमरजेंसी की रिलीज डेट के बारे में पूछते हैं।

उन्होंने कहा, हमने इमरजेंसी रिलीज की तारीख 24 नवंबर 2023 अनाउंस की थी, लेकिन मेरी बैक-टू-बैक रिलीज होने वाली फिल्मों के कैलेंडर में सभी बदलावों और 2024 के लास्ट क्वार्टर के ओवर पैक होने के कारण हमने इमरजेंसी को अगले साल (2024) में शिफ्ट करने का फैसला किया है। कंगना ने कहा कि जल्द ही नई रिलीज डेट की घोषणा की जाएगी।

नई रिलीज की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी, कृपया अपना साथ बनाए रखें। फिल्म के लिए आपकी प्रत्याशा, जिज्ञासा और उत्साह बहुत मायने रखता है, आपकी कंगना रनौत।

इमरजेंसी कंगना रनौत द्वारा निर्देशित और निर्मित एक जीवनी पर आधारित ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है।

भारत के आपातकाल पर आधारित इस फिल्म में कंगना ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

श्वेता तिवारी पर चढ़ा बोल्डनेस का रंग, सिजलिंग अंदाज में आई नजर

श्वेता तिवारी के चाहने वाले आज देशभर में मौजूद हैं। फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़ने का एक मौका हाथ से नहीं जाने देतीं। श्वेता ने अपनी अदाकारी के दम पर तो हर किसी को दीवाना बनाया ही है, लेकिन आज लोग उनकी ग्लैमरस अदाओं पर भी फिदा रहते हैं। ऐसे में श्वेता का हर लुक तेजी से वायरल होने लगता है। अब फिर से एक्ट्रेस ने हुस्न की बिजलियां गिराई हैं।

लेटेस्ट फोटोशूट के लिए श्वेता ने हैवी सीक्वेंस और फेदर वाली सिल्वर बॉडीकॉन ड्रेस कैरी की है। अपने इस लुक को स्मोकी मेकअप से कंप्लीट किया है। उन्होंने सटल बेस के साथ न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट कलर्स के साथ ओपन रखा हुआ है।

श्वेता इस लुक में बेहद हॉट दिख रही हैं। उन्होंने अपनी अलग-अलग अदाएं दिखाते हुए कैमरे के सामने किलर पोज दिए हैं। उनकी इन अदाओं को देखकर अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि एक्ट्रेस 43 साल की हो चुकी है और दो बच्चों की मां हैं। श्वेता की 22 साल की बेटी पलक तिवारी बॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकी हैं। श्वेता के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय वह रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स में वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह हम तुम और दैम वेब सीरीज में भी नजर आने वाली हैं।

गुरु रंधावा ने किया अपनी पहली पैन इंडिया फिल्म शाहकोट का ऐलान, पहला लुक भी जारी

गुरु रंधावा संगीत की दुनिया में एक लोकप्रिय नाम हैं। गायक और म्यूजिक कंपोजर के रूप में उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। गायिकी में अपनी छाप छोड़ने के बाद रंधावा अब फिल्मों में एक अभिनेता के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाले हैं। रंधावा ने अपनी पैन इंडिया फिल्म शाहकोट का ऐलान किया है। शाहकोट का पहला पोस्टर सामने आ चुका है, जिसमें रंधावा बेहद अलग अवतार में दिखाई दे रहे हैं।

इस फिल्म में पंजाब के गौरव के रूप में पहचान बनाने वाले रंधावा, एक पंजाबी युवा इकबाल सिंह की भूमिका निभाते हैं, जिसके जीवन में विदेश में उद्यम करने के अपने सपनों का पीछा करने के बाद एक अप्रत्याशित मोड़ आता है।

गुरु रंधावा टी-सीरीज बैनर के तहत फिल्म के कुछ गानों में अपनी मनमोहक आवाज भी देंगे, जो इस रोमांटिक कहानी में एक भव्य संगीतमय स्पर्श जोड़ देगी।

कलाकारों में ईशा तलवार भी शामिल हैं, जो दक्षिण भारत में अपनी लोकप्रियता के लिए जानी जाती हैं। वह गुरु की प्रेमिका की भूमिका निभाती हैं। वह एक युवा महिला हैं, जिसने अपना पूरा जीवन राज बब्बर द्वारा अभिनीत अपने पिता अब्बा जी की देखभाल में बिताया है।

फिल्म में गुरशाबाद, इकबाल के भरोसेमंद विश्वासपात्र की भूमिका निभा रहे हैं वहीं पंजाबी अभिनेता हरदीप गिल एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। लव पंजाब, फिरंगी और कॉमेडी नाइट्स विद कपिल जैसी प्रस्तुतियों के लिए प्रशंसित निर्देशक राजीव ढींगरा का लक्ष्य एक ऐसी फिल्म बनाना है जो सीमाओं को पार कर दुनिया भर के दर्शकों से जुड़े। स्काई स्टूडियोज के निर्माता अनिरुद्ध मोहता ने कहा कि यह फिल्म पंजाबी अपील से बिल्कुल परे है। हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज की योजना इसे वास्तव में एक अखिल भारतीय उत्कृष्ट कृति बनाती है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

आपस में समन्वय बनाकर शांतिपूर्ण ढंग से निष्पक्ष चुनाव कराएं - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत रायपुर जिले में अब तक की गई प्रशासनिक तैयारी की जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सर्वेश्वर भुरे ने समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन कार्य से संबद्ध सभी अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाकर जिले में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तथा परदर्शी मतदान निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संपन्न कराने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ भुरे ने मतदान केन्द्रों में की गई आवश्यक तैयारी, सेक्टर अधिकारी सहित मतदान दलों का प्रशिक्षण, ईव्हीएम, वीवीपैट का भण्डारण, कमिशिनिंग, राजनीतिक दलों का प्रशिक्षण सहित मतदान एवं मतगणना स्थल में की गई तैयारी, वाहन व्यवस्था, वीडियों अवलोकन, वीडियोग्राफी,मीडिया प्रमाणन एवं मीडिया अनुवीक्षण टीम आदि के लिए अबतक की गई तैयारी की विस्तृत जानकारी अधिकारियो से ली।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में डॉ भुरे ने निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार तैयारियां अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाकर कार्य करने और निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागी बनने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्वाचन संबंधी कार्यों का प्रतिदिन लेखा जोखा के साथ, कंट्रोल रुम में चौबीस घंटे जिम्मेदार कर्मचारियों की तैनाती, अधिकृत कर्मचारियों की बैठक व्यवस्था, नाम, फोन नंबर का प्रदर्शन, सीसीटीव्ही की व्यवस्था, नामांकन की तैयारी, वीडियोग्राफी, वाहन व्यवस्था, संगवारी मतदान बूथ, प्रत्याशियों को प्रतीक चिन्ह आवंटन, सामग्री वितरण हेतु पर्याप्त काउण्टर की व्यवस्था, मतदान दल में 2ाामिल वाहन चालक,कण्डक्टरों, डाक्टरों का प्रशिक्षण, मतदान दिवस में माइक, टेण्ट, भोजन की व्यवस्था, स्वास्थ्य दल के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

25 जांच नाके बने, जांच से लोंगो को ना हो परेशानी पर लापरवाही भी ना करें-

विधानसभा निर्वाचन के दौरान सघन चेकिंग के लिए जिले में 25 जांच नाके बनाए गए हैं। कलेक्टर डॉ भुरे ने निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान गठित विभिन्न जांच दलों को आदर्श आचरण संहिता का पालन करने के साथ जांच के नाम पर लोंगो को अनावश्यक परेशान नहीं करने के संबंध में प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित करने कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि जांच दल अपने जांच के दौरान यह देखे कि कोई व्यक्ति चुनावी प्रायोजन अथवा किसी प्रत्याशी, मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से किसी प्रकार की सामग्री का परिवहन तो नहीं कर रहा है। जांच टीम द्वारा आवश्यक दस्तावेज मांगे जाने पर और प्रस्तुत किए जाने पर संबंधित व्यक्ति को परेशान न किया जाये। उन्होंने मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी को सतर्क रहने, चेकपोस्ट पर अवैध 2ाराब और रूपये-सामग्री की धर पकड़, सम्पति विरुपण की कार्यवाही,आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर बांड भराने की कार्यवाही के निर्देश दिए।

ईपिक कार्ड वितरण में तेजी लाने के निर्देश-बैठक में कलेक्टर ने जिले में मतदाताओं को मतदाता कार्ड वितरण की भी समीक्षा की। उन्होंने मतदाताओं को जल्द से जल्द ईपिक कार्ड वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश उप जिला निर्वाचन अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने कहा कि पोस्ट ऑफिस के माध्यम से कार्डों का वितरण तेजी से किया जाए। पोस्ट ऑफिस द्वारा किसी भी कारण से वापस आ गए ईपिक कार्डो को ब्लॉक लेवल अधिकारी के माध्यम से संबंधित मतदाता तक पहुंचाया जाए। कलेक्टर ने मतदान केन्द्रों में रैम्प, बिजली, पानी और 2ाौचालय आदि मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए छोटे-मोटे मरम्मत के कामों को भी अगले सप्ताह तक पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी, जिला

ध्वनि विस्तारक यंत्र प्रतिबंधितः रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के द्वारा विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिये कार्यक्रम जारी किये जाने के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो चुकी है। निर्वाचन के दौरान सभी राजनैतिक दल, उनके कार्यकर्ता तथा उनसे सहानुभूति रखने वाले व्यक्ति अपने दल के प्रचार-प्रसार के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग करते हैं। इन ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, न केवल स्थायी रूप से होता है, विभिन्न वाहनों जैसे जीप, कार, ट्रक, टेम्पो तिपहिया स्कूटर सायकल रिक्शा आदि पर घूम-घूम कर या स्थिर रखकर भी होता है। ये वाहन सभी गलियों, सड़कों एवं उपगलियों पर चलते हैं तथा गांव बस्तियों मोहल्लों एवं कालोनियों से बहुत ऊंची आवाज लाउड स्पीकरों से प्रसारण करते हुए जाते हैं। लाउड स्पीकरों पर अप्रतिबंधित रूप से किये जाने वाले शोरगुल से वृद्ध, दुर्बल, बीमार व्यक्ति को चाहे वह किसी चिकित्सालय संस्थान में हो या घर में हो बहुत परेशानी होती है।

विषम समय में विषम स्थान पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों अविवेकपूर्ण ऊंचे स्वरों पर अवैधानिक प्रयोग से जनमानस की शांति एवं स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 04 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तथा नगरीय क्षेत्रों में रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जाना अथवा करवाया जाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया है। आदेशानुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, चुनाव प्रचार करने के लिए वाहनों पर एवं चुनावी सभाओं में नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ही समक्ष अधिकारी की अनुमति पश्चात किया जा सकेगा किन्तु ऐसे ध्वनि विस्तारक यंत्र साधारण किस्म के होंगे एवं मध्यम आवाज में ही प्रयोग किये जाएंगे। लोक परिशांति को देखते हुए लंबे चोंगे वाले लाउड स्पीकरों का प्रयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। वाहनों एवं चुनावी सभाओं में एक से अधिक लाउड स्पीकर समूहों में लगाया जाना भी प्रतिबंधत किया जाता है। चुनावी सभाओं एवं चुनाव प्रचार करने के लिए वाहनों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिए श्री आशीष देवांगन, आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली को सक्षम प्राधिकारी घोषित किया गया है। इस हेतु जिला कार्यालय दुर्ग के कक्ष क्रमांक 28 में निर्धारित समय सीमा में आवेदन प्रस्तुत करेंगे। इनके लिंक अधिकारी श्री दीपक निकुंज, संयुक्त कलेक्टर दुर्ग होंगे। उपयोग से पूर्व सक्षम प्राधिकारी से लिखित अनुमति प्राप्त करना अतिआवश्यक है। साथ ही मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन न हो, यह भी अनुमति प्राप्तकर्ता सुनिश्चित करेंगे। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त कर सामान्य तौर पर शैक्षणिक संस्थाओं, विस्तारक यंत्रों का प्रयोग सामान्य स्थिति में भी पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

खास खबर

शारदीय नवरात्रि पर्व पर जसगीत, लोकगीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई

दंतेवाड़ा। शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन श्रद्धालुओं के उमड़ते जनसैलाब के बीच जिला प्रशासन द्वारा आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनीत नंदनवार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम स्वीप तहत मतदाता जागरूकता अभियान निरन्तर चलाया जा रहा है। निश्चित कार्यक्रम के अनुरूप माता दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण के मेढ़का डोबरा स्थल में भक्तिमय संगीत, नाटक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में बाहर से आये श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय निवासियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस क्रम में स्वीप कार्यक्रम के तहत अर्जुन्दा लोकरंग टीम द्वारा गत रात्रि भक्तिमय लोकगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यक्रम में जहां जसगीत, लोकगीत तथा नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई वहीं शत प्रतिशत मतदान हेतु जनसमूह को प्रेरित किया गया। श्रद्धालुओं ने भी ना केवल भक्तिमय गीतो नृत्यों का आनंद उठाया बल्कि वे सांस्कृतिक कार्यक्रम में थिरकते भी नजर आये। लोकरंग टीम ने भी अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्यांतर में मतदाताओं को जागरूक करने संबंधी नृत्य नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के बीच जिला कलेक्टर श्री विनीत नंदनवार ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को शत प्रतिशत मतदान की शपथ दिलाने के साथ-साथ सभी से मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

मतदान की अपील करने बिटिया आग्रह टोली घर-घर दे रही दस्तक

कांकेर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के तहत द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाकर 02 अगस्त 2023 से नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने के साथ-साथ सूची अद्यतन की गई। इसके अंतर्गत जिले में विशेष पहल करते हुए जिले के अंतागढ़, भानुप्रतापपुर और कांकेर विधानसभा क्षेत्र में कुल 12 हजार 501 किशोरी बालिकाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में जिले में बिटिया आग्रह टोली का गठन किया गया है जिनके द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से वोट करने की अपील की जा रही है, कि 07 नवम्बर को वोट देने मतदान केन्द्र अवश्य जाएं। साथ ही मतदान के महत्व के बारे में मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान मतदाताओं से अनिवार्य रूप से मतदान करने का संकल्प भी लिया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार जिले में ऐसी 20 बिटिया आग्रह टोली गठित की गई है जो विशेष तौर पर उन मतदान केंद्र के निवासरत मतदाताओं को फोकस कर रही है, जहां पर विगत निर्वाचन के दौरान मतदान का प्रतिशत कम रहा है।

लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता देने जा रहे हैं, अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता से करें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 78 मोहला मानपुर विधानसभा निर्वाचन कार्य संपन्न कराने के लिए मतदान दल क्रमांक 2 एवं 03 को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल रेंगाकठेरा में प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने प्रशिक्षण कक्ष में पहुंचकर दियें जा रहे प्रशिक्षण का मुआयना किया। कलेक्टर ने मतदान अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी कार्य के संचालन के लिए प्रशिक्षण का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि कई बार हम ओवर कॉन्फिडेंस में रहते हैं, यह सोचते हैं कि यह कार्य सहज और सरल है।

किंतु जब हम वह कार्य को प्रैक्टिकल तौर पर करते हैं तब कार्य की गंभीरता समझ में आती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में जो भी विषय पर जानकारी दी जा रही है, उसे भलीभांती अवलोकन करें और गंभीरता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करें। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए बिना तनाव के स्वस्फुर्त होकर कार्य किया जाना आवश्यक है। मतदान अधिकारियों से कहा की निर्वाचन कार्य बेहद संवेदनशील और जिम्मेदारी से भरा कार्य है। निर्वाचन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विषय की बारीकियों से रूबरू होना अति आवश्यक है। कलेक्टर ने आगे कहा कि हम लोकतंत्र की महापर्व में अपनी सहभागिता देने जा रहे हैं। इसके लिए खुद को सहज रखें और अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए निर्वाचन कार्य को निर्विघ्न और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने में अपनी भूमिका का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि 7 नवंबर को विधानसभा मोहला मानपुर के लिए मतदान संपन्न होगा। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए मतदान दल 01 और मतदान दल 02 को प्रशिक्षण दिया गया। मतदान दलों के रेंडोमाइजेशन के उपरांत प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिया गया। मतदान अधिकारियों को ईव्हीएम/वीवीपैट मशीन, बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट के संचालन की बारीकियों की बिंदुवार जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में मतदान अधिकारियों द्वारा पूछे गये जिज्ञासा और शंकाओं का समाधान भी किया। मतदान अधिकारियों को निर्वाचन आयोग की गाईड लाईन का पालन करने निर्देशित किया गया है। जिससे निर्विघ्न रूप से चुनाव सम्पन्न हो सकें। प्रशिक्षण में ईव्हीएम मशीन को मतदान के लिए तैयार करने, ईव्हीएम द्वारा मतदान की कार्यप्रणाली का संचालन करने, ईव्हीएम से संबंधित बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट का संचालन करने, आवश्यक कार्यवाही एवं प्रक्रिया, बैलेट यूनिट और कंटोल यूनिट की सिलिंग की प्रक्रिया तथा मतदान संपन्न होने के बाद सामग्री जमा करने की निर्धारित प्रक्रियाओं सहित अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी विस्तार से दिया गया।

संगवारी मतदान केन्द्र के लिए महिला अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने में पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक ने आज वेडनर मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल महासमुंद में विधानसभा निर्वाचन 2023 के सुगम संचालन के लिए प्रथम चरण अंतर्गत चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। जिले के सभी विकासखंडों में पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी-1 को सुचारू और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसके साथ ही संगवारी मतदान केन्द्रों के लिए नियुक्त महिला पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी-1 को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कलेक्टर प्रभात मलिक ने प्रशिक्षण के दौरान कहा कि मतदान दल में निर्वाचन कार्य संपन्न कराने नियुक्त पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी-1 गंभीरतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए यह जरूरी है कि सभी अधिकारी प्रशिक्षण के दौरान बताई गई बातों को ध्यानपूर्वक सुनें एवं अमल में लाएं। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को ईवीएम और वीवीपैट, बैलेट यूनिट मशीन की गतिविधियों को स्वयं संचालित कर देखने कहा। उन्होंने मास्टर ट्रेनर को कहा कि मतदान कराने में होने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान के संबंध में अच्छे से जानकारी दें।

कलेक्टर श्री मलिक ने सभी अधिकारियों को निर्वाचन कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लेने कहा। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी-1 की नियुक्ति संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान के लिए मतदान केन्द्र पर की गई व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ वहां पर नियुक्त कर्मचारियों की निष्पक्षता, सजगता और कार्यकुशलता पर निर्भर करता है। इसके लिए मतदान केन्द्र के प्रमुख अधिकारी के रूप में पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी-1 को मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया का पूरा ज्ञान होना चाहिए, ताकि वह सहयोगी कर्मचारियों को मार्गदर्शन देने के साथ-साथ कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आत्मविश्वास के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्र में सारी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी-1 की होती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान किसी प्रकार की आशंका होती है तो उसे जरूर प्रश्न करें उसका समाधान किया जाएगा। कलेक्टर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिला अधिकारियों से कहा कि संगवारी मतदान प्रक्रिया में महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए संगवारी मतदान केंद्र तैयार किए गए हैं। संगवारी मतदान केन्द्र पर सुरक्षा से लेकर मतदान कराने तक की जिम्मेदारी महिलाओं को सौंपी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि हर महिला को वोट देने का सुखद अनुभव हो। ये उन्हें मतदान केंद्र तक लेकर आने की एक अच्छी पहल है, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की अधिक से अधिक भागीदारी हो सके और मतदान के प्रति महिलाओं का उत्साह बढ़े। जिले में 08 संगवारी मतदान केन्द्र स्थापित किए गए है।

उल्लेखनीय है कि जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतदान दलों के पीठासीन अधिकारी और मतदान अधिकारी-1 का प्रथम चरण प्रशिक्षण जिले के सभी विकासखंडों में दिया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 17, 18 अक्टूबर को बसना और सरायपाली तथा आज 19 अक्टूबर को पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी-1 को प्रशिक्षण दिया गया। मतदान दलों का प्रथम चरण प्रशिक्षण अंतर्गत महासमुंद विकासखण्ड में वेडनर मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल महासमुंद में कुल 433 पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी-1, 58 संगवारी मतदान दल और 24 सेक्टर अधिकारी को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने विधिक जागरूकता के प्रचार-प्रसार के लिए 23 तक लगाया स्टॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद,। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालोद द्वारा गंगा मईया मंदिर प्रांगण झलमला में 15 से 23 अक्टूबर विधिक जागरूकता के प्रचार-प्रसार हेतु स्टॉल लगाया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष द्वारा 17 अक्टूबर को इस स्टॉल का अवलोकन किया गया।

इस दौरान जिला न्यायाधीश के द्वारा उपस्थित श्रद्धालुओं को विधिक जानकारी एवं विधि से संबंधित पुस्तकें एवं पाम्पलेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट श्री किरण कुमार जांगडे, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के श्रीमती सुमन सिंह, व्यवहार न्यायाधीगण सुश्री कोनिका यादव, कुमारी माधुरी मरकाम, श्री हेमंतराज धुर्वे एवं पीएलवी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. प्रज्ञा पचैरी के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्रीमती सुमन सिंह के मार्ग दर्शन में लगाए इस स्टॉल में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित योजनाएँ आपदा पीड़ितों को विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से विधिक सेवा योजना 2010, तस्करी एवं वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015, बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 शामिल है। इसी तरह स्टॉल में मानसिक रूप से बीमार और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 गरीबी उन्मूलन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015, आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए दिपिक सेवाएं योजना 2015, नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं योजना 2016 तथा एसिड हमले के पीड़ितों के लिए विधिक सेवा योजना 2016 के संबंध में जानकारी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना 2011 एवं पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना 2018 महिला हेल्पलाईन की जानकारी, घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 साइबर क्राईम से बचाव, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने आदि के संबंध में बैनर के माध्यम से विधिक जानकारी प्रदान की जा रही है।

शिवशक्ति दुर्गा मंदिर में ज्योति कलश प्रज्वलित

राजनांदगांव। छुईखदान शारदीय नवरात्रि पर्व 2023 राधापुर रोड़ शिवशक्ति दुर्गा मंदिर परिसर छुईखदान में ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए । शिवशक्ति दुर्गा मंदिर पुजारी संतोष जंघेल ने जानकारी दी कि 19 अक्टूबर 2023 गुरुवार पंचमी को रानी मंदिर समिति के संरक्षक छुईखदान राजपरिवार के श्रीमती लतारानी लाल जे. के. वैष्णव ने पूजा अर्चना की । शारदीय नवरात्रि पर्व 2023 में जय बजरंग बली मानस मंडली जस गीत समिति एवं शिवशक्ति दुर्गा जसगीत समितियों द्वारा देवी साहू , दुर्गा साहु , किरण साहु , पंचम साहु, रवि साहु , प्रकाश साहु , रमेश निषाद , संतोष जंघेल, सोनसाय आदि के नेतृत्व में मंदिरों में जसभजन गीतों की प्रस्तुति दी गई।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

वीआईपी और वीवीआईपी की सुरक्षा के लिए पीएसओ प्रशिक्षण, दुर्ग व राजनांदगांव रेंज के अफसर हुए शामिल

चुनाव को देखते हुए दुर्ग जिले में होनी है कई वीआईपी व वीवीआईपी व्यक्तियों के दौरे, आईजी दुर्ग की पहल पर हुआ प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग रेंज एवम राजनंदगांव रेंज के पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के लिए गुरुवार को एक दिवसीय रेंज स्तरीय पीएसओ प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग बीएन मीणा की पहल पर कलामंदिर सिविक सेंटर में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दुर्ग व राजनांदगांव रेंज के अधिकारी व कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में वीआईपी व वीवीआईपी सुरक्षा को लेकर एक्सपर्ट्स ने टिप्स दिए।

आगामी दिनों में होने वाले वृहद स्तर पर वीवीआईपी व वीआईपी प्रवास की संभावनाओं को ध्यान मे रखते हुए पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग बीएन मीणा द्वारा दुर्ग रेंज एवम राजनांदगांव रेंज के उप निरीक्षक से लेकर आरक्षक स्तर के अधिकारी व कर्मचारियों की एक दिवसीय सुरक्षा पीएसओ प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यशाला में दुर्ग रेंज एवम राजनांदगांव रेंज के जिलों से 350 से अधिक उप निरीक्षक से आरक्षक स्तर प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यशाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग राम गोपाल गर्ग के द्वारा उपस्थित प्रशिक्षण लेने आए अधिकारियो व कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि हमे अपनी ड्यूटी में बहुत सावधानी पूर्वक अलर्ट होकर ड्यूटी करनी है और उसके संबंध में जो भी कमियां हमे यहां बताई जाएगी उससे सीख कर आत्मसात करना है, अंत में उन्होंने पीएचक्यू रायपुर से आए हुए अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज बीएन मीणा द्वारा प्रशिक्षण सत्र का परिचय देते हुए उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था ड्यूटी, अपराधों की रोकथाम एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी के अलावा वीआइपी सुरक्षा ड्यूटी भी जिला पुलिस का एक महत्वपूर्ण अंग है, इस विषय को पूर्ण रूपेण समझना आवश्यक है, आगामी दिनों में चुनाव के दौरान वीवीआईपी व वीआईपी प्रवास के समय जिले में उपलब्ध बल के द्वारा ही सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंधन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सभी को अलर्ट होकर इस कार्यशाला को सुन कर समझना है और बिना झिझक के सवालों को पूछना है, और प्रशिक्षण के दौरान उत्पन्न होने वाले डाउट्स को प्रश्नउत्तर के माध्यम से स्पष्ट करने को बताया गया।

वीआईपी सुरक्षा में 100 फीसदी देना होता है

प्रशिक्षण कार्यशाला में पीएचक्यू रायपुर से आए एमएल कोटवानी, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा, पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा कहा गया कि वीआईपी सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है जिसकी जानकारी जिला पुलिस बल के अधिकारी व कर्मचारियों को होना अत्यंत आवश्यक है, वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न सभी अधिकारियों को अपना 100 प्रतिशत देना आवश्यक है, इसमें 01 प्रतिशत भी गलती की गुंजाईश नही होती, सुरक्षा व्यवस्था में चुक क्षम्य नही होता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा का कार्यक्षेत्र विस्तृत है जिसके हर पहलूओं को एक दिन की इस कार्यशाला मे रखने की कोशिश की जायेगी। आगामी चुनाव को देखते हुए उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों से प्रशिक्षण के दौरान दी गई जानकारी को आत्मसात कर आगामी दिनों में कर्तव्य के दौरान पुलिस बल में अपनी व्यवसायिक दक्षता का परिचय देने कहा गया।

इन अफसरों ने दिया सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में एमएलकोटवानी द्वारा वीवीआईपी व वीआईपी सुरक्षा, सुरक्षा श्रेणियां, निर्धारत तत्व संबंधित निर्देश, वीआईपी सुरक्षा के सिद्धांत, आपातकालीन उपबंध, आमसभा, मंच, हेलीपेड, मार्ग व्यवस्था, हाईराईज, कैम्प व्यवस्था आदि विषय पर क्लास ली गई। निशांत शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक वीआईपी सुरक्षा द्वारा मोटर केड, एस्कार्ड अधिकारी, पायलेट अधिकारी इत्यादि विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। गुरूनारायण प्रधान उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा पुलिस मुख्यालस रायपुर द्वारा एण्टीसेबोटाज चेक व उसमे लगने वाले उपकरणों के संबंध में जानकारी दी गई तथा जयंतपाल, पीसी वीआईपी सुरक्षा रायपुर द्वारा पीएसओ की परिभाषा, उद्देश्य, सामान्य व्यवहार, कर्तव्य, वेशभूषा, महत्व इत्यादि विषय पर डेमो के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान अभिषेक झा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर, दुर्ग, अनंत कुमार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जिला दुर्ग, मीता पवार एवम समस्त राजपत्रित अधिकारी व दुर्ग रेंज एवम राजनांदगांव रेंज के अधिकारी कर्मचारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खास-खबर

शराब की तस्करी करने वाला तस्कर गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। आचार संहिता लगते ही जिले में पुलिस एक्शन मोड़ में आ गई और ताबड़तोड़ कार्रवाई करने में जुट गई है। पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। आचार संहिता का जिले में प्रभावी रूप से पालन कराए जाने के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार के दिशा निर्देशन पर विभिन्न थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 19.10.2023 के शाम साइबर सेल और पुसौर पुलिस द्वारा ग्राम रेंगालपाली में श्रवण चौहान नाम के व्यक्ति घर पर रेड कार्रवाई कर भारी मात्रा में ओड़िसा से स्पलाई मयूर छाप वाली महुआ पाऊच शराब बरामद किया गया है। ग्राम रेंगालीपाली के एक घर में अवैध रूप से महुआ शराब बिक्री की सूचना पर कार्यवाही हेतु एसएसपी सदानंद कुमार के निर्देशन पर तत्काल साइबर सेल और पुसौर पुलिस की संयुक्त बनाकर मुखबिर के बताए स्थान पर टीम रवाना की गई । पुलिस टीम द्वारा गवाहों के साथ ग्राम रेंगालपाली में रहने वाले श्रवण चौहान के घर की घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। संदेही श्रवण से अवैध शराब बिक्री के संबंध में हिकम्मतअमली से पूछताछ किय जाने पर श्रवण कुमार ने अपने मकान के बाड़ी में शराब छिपा कर रखना बताया। पुलिस ने आरोपी के बाडी में दिवाल किनारे भूसे में छिपा कर दो प्लास्टिक की बोरियों में रखा हुआ 290 नग उड़ीसा सप्लाई मयूर प्रिंट वाली प्लास्टिक पाऊच जप्त किया गया जिसके प्रत्येक पाउच में 180ml महुआ शराब सील पैक कर बंधी हुई है।

अलग-अलग गाडियों में मिला एक क्विंटल एल्युमीनियम के बर्तन और 3 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर परिवहन चेकपोस्टों पर वाहनों में ले जाने वाले सामानों के दुरूपयोग के रोकथाम हेतु नियमित रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत गुरुवार को जांच के दौरान महासमुन्द जिले के खम्हारपाली चेकपोस्ट में परिवहन विभाग की टीम द्वारा निजी वाहन ओडी-15-एफ-7092 में 500 रुपए नोट के 6 बंडल कुल 3 लाख रुपए ले जाते हुए पकड़ा गया। जांच के दौरान वाहन चालक सैयद शोएब अली, निवासी मायाबगीचा, संबलपुर तथा उनके सहयोगी मो. इरफान निवासी स्कूल चौक, पेंशनबाड़ा, संबलपुर द्वारा उक्त राशि के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

इसी तरह खम्हारपाली चेकपोस्ट अंतर्गत छुईपाली में 19 अक्टूबर को सुबह 10 बजे जांच के दौरान उक्त टीम द्वारा बसना निवासी ज्योति प्रकाश अग्रवाल के वाहन क्रमांक सीजी 06 जीजी 1308 में 99.6 किलोग्राम वजनी एल्युमीनियम के बर्तन को वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने के कारण बरामद किया गया। आगामी विधानसभा निर्वाचन में उक्त राशि तथा सामानों के दुरूपयोग की आशंका के मद्देनजर दोनों मामलों में आगे की कार्यवाही हेतु थाना-बसना, जिला-महासमुन्द (छग) के सुपुर्दगी में दिया गया है। परिवहन विभाग द्वारा चुनाव आयोग के निर्देशानुसार लगातार वाहनों की सघन जांच एवं कार्यवाही की जा रही है।

खड़े ट्रेलर से भिड़ी तेज रफ्तार पिकअप, 10 घायल

चैतुरगढ़ से देवी दर्शन कर लौट रहा था कुर्रे परिवार, 22 लोग थे गाड़ी में सवार

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर जिले के रतनपुर में गुरुवार की रात तेज रफ्तार पिकअप सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। हादसे में पिकअप सवार 10 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर है। सभी कोरबा के चैतुरगढ़ से देवी दर्शन कर लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। घायलों को इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया। पिकअप में अमेरी के कुर्रे परिवार के 22 लोग सवार थे। इनमें 6 बच्चे भी शामिल थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दर्रीपारा बाइपास रोड पर चालक अंधेरे में खड़े ट्रेलर को नहीं देख पाया और गाड़ी सीधे भिड़ गई। हादसे के बाद पिकअप सवार श्रद्धालु चीखने चिल्लाने लगे। किसी तरह सभी वाहन से बाहर निकले।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को बुलाया फिर पहुंचाया अस्पताल

रतनपुर टीआई देवेश राठौर ने बताया कि आसपास के लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। रतनपुर में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सिम्स रेफर किया गया। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घायलों को रतनपुर से सिम्स रेफर किया गया

इस हादसे की जानकारी मिलते ही सीएमएचओ राजेश शुक्ला भी अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था की और सभी घायलों को सिम्स भेज दिया। जहां उनका इलाज जारी है।

ओडिशा से लेकर आ रहे थे गांजा, 2 तस्कर गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर की नारकोटिक्स सेल और आरंग पुलिस ने 21 किलो गांजा के साथ 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोप ओडिशा से गांजा लेकर आ रहे थे। आरोपियों के विरूद्ध थाना मंदिर हसौद में अपराध क्रमांक 645/23 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। दरअसल 17 अक्टूबर को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट अंतर्गत गठित नारकोटिक्स सेल की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति कार में गांजा परिवहन करते महासमुंद से रायपुर की ओर आ रहे है। सूचना पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना आरंग पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा वाहन एवं व्यक्तियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा वाहन एवं व्यक्तियों की पतासाजी की जा रहीं थी इसी दौरान थाना आरंग क्षेत्रांतर्गत ग्राम पारागांव बस स्टॉपेज पास वाहन को आता देख टीम के सदस्यों द्वारा वाहन को रोकवाया गया। वाहन में 02 व्यक्ति सवार थे जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम दिनेश डहरिया एवं शिवकुमार टण्डन निवासी दुर्ग का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उनके वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में गांजा रखा होना पाया गया।

कार चालक ने स्कूटी सवार युवती को टक्कर मारकर पांच छात्राओं को भी मारी ठोकर

बिलासपुर। तेज रफ्तार कार के चालक ने बिलासा कन्या कालेज के सामने स्कूटी सवार युवती को टक्कर मार दी। इसके बाद कालेज के सामने खड़ी छात्राओं को चपेट में ले लिया। इसके बाद उसने कार को पाथ-वे पर चढ़ा दिया। कार के रुकते ही आसपास के लोगों ने चालक को पकड़कर पिटाई कर दी। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्राओं को अस्पताल भेजा। वहीं, ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मसानगंज में रहने वाली रवीना रामटेके निजी संस्थान में काम करती है। गुरुवार की शाम वह ड्यूटी के बाद अपने घर लौट रही थी। युवती बिलासा कन्या कालेज के सामने पहुंची थी। इसी दौरान राजेंद्र नगर चौक की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने युवती की कार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद हड़बड़ाए चालक ने सड़क किनारे खड़ी छात्राओं की ओर कार मोड़ दी। इससे पांच छात्राएं चपेट में आ गई। इसके बाद ड्राइवर ने कार सड़क किनारे पाथ-वे पर चढ़ा दी। कुछ दूर जाकर कार रुक गई।

कार के रुकते ही एक युवक निकलकर भाग निकला। वहीं, लोगों ने चालक विकास रावत को पकड़ लिया। लोगों की भीड़ ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। इधर हादसे की जानकारी लगते ही सिविल लाइन थाने के जवान मौके पर पहुंच गए। जवानों ने चालक को भीड़ से बचाकर थाने लाया। यहां प्राथमिक पूछताछ के बाद ड्राइवर को जांच के लिए अस्साल भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर गंभीर रूप से घायल एक छात्रा को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे की सूचना स्वजन को दी गई है। ये हुई घायल कालेज के पास हुए हादसे में मेघा भगत निवासी मंदिर चौक, हेमा राठिया निवासी खरसिया रायगढ़, ओमभारती नायक निवासी रायगढ़, हेमा वर्मा निवासी चकरभाठा, निधि बेहार निवासी मुरुकापा जिला मुंगेली घायल हुई हैं। इसमें हेमा राठिया की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। अन्य छात्राओं को मामूली चोटें आई हैं। नशे में था ड्राइवर प्राथमिक पूछताछ में मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि आरोपित युवक तेज रफ्तार में कार लेकर राजेंद्र नगर चौक की ओर से आया। उसने गलत साइड में आकर युवती की स्कूटी को टक्कर मार दी। इसके बाद कार छात्राओं की ओर लेकर गया। वहीं, कुछ लोगों ने जान बूझकर टक्कर मारने की आशंका व्यक्त की है। छात्राओं से पूछताछ में घटना का कारण स्पष्ट होगा।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

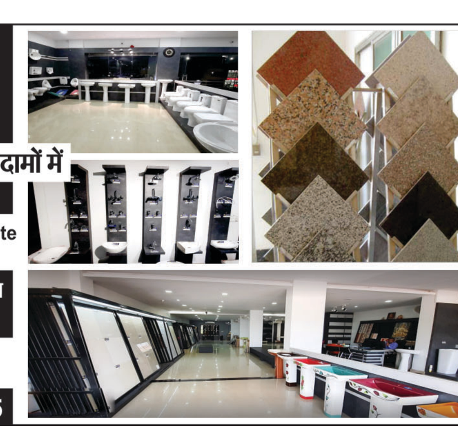

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

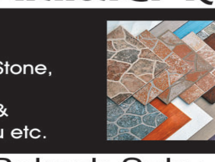

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

चेक पोष्ट पर निगरानी दल सजग रहे

भिलाई । भिलाईनगर विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर एवं आयुक्त रोहित व्यास पं. जवाहर लाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुर्सीपार में बनाये गये 7 मतदान केन्द्रो की व्यवस्था जॉचने केन्द्र पर पहुॅचे और दिव्यांगो के लिए रैम्प की संख्या बढ़ाने को कहा, मतदान कक्ष में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये। श्री व्यास खुर्सीपार में बनाये गये चेक पोस्ट में निगरानी दल में लगाये अधिकारी कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार कार्यवाही करने तथा दल को सदैव मुस्तैद रहने को कहा। उन्होने यह भी कहा की स्थैतिक टीम द्वारा किये जाने वाले कार्यवाही से आम नागरिको को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

जश्ने गौसुल वरा और पैगाम-ए-हुज़ूर अमीने शरीयत कॉन्फ्रेंस आज रात सुपेला में

भिलाई। जश्ने गौसुल वरा और पैगाम-ए-हुज़ूर अमीने शरीयत कॉन्फ्रेंस का दूसरा सालाना जलसा 20 अक्टूबर की रात बाद नमाजे ईशा होने जा रहा है। हाजी उल्फत मंजिल गुरुद्वारा रोड सुपेला में इस सालाना जलसे के सरपरस्त मोहम्मद सलमान रजा खान बरेली शरीफ हैं और मुकर्रर खुसूसी शेख उल अदब सेंटर ऑफइस्लामिक स्टडीज जमीअत उल रजा बरेली शरीफके मुफ्ती शहजाद आलम मिस्बाही है। जलसे की निजामत इस्लामपुरी सीतामढ़ी बिहार के महबूब गौहर करेंगे। मेहमान-ए-खुसूसी बलौदा बाजार की मस्जिद अमीने शरीयत के खतीब-ओ-इमाम अशरफरजा कादरी और केशकाल के अब्दुल मुगनी रिजवी होंगे। शायर-ए-इस्लाम सैयद अब्दुल कादिर कांकेर शरीफऔर खतीब इमाम रजा जामा मस्जिद कैंप-2 कलीम अशरफऔर आसपास के इलाकों के तमाम मस्जिदों के इमाम व खतीब भी मौजूद रहेंगे। अमीने शरीयत कमेटी के मोहम्मद इसराइल हुसैन ने यह जानकारी देते हुए बताया कि औरतों के लिए पर्दे का माकूल इंतजाम किया गया है।

प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें मतदान दल अधिकारियों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दुर्ग। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत निर्वाचन कार्य के लिए नियुक्त सेक्टर अधिकारियों, पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान दल क्रमांक 1 को आज बी.आई.टी. कालेज में प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने यहां पहुंचकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन कार्य के लिए सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन बेहद सावधानी और गम्भीरता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान बताए गए दिशा-निर्देशों और बारिकियों को भली भांति समझ कर मशीन का संचालन और वोटिंग करने के तरीके से रूबरू होने कहा। उन्होंने अधिकारियों से मतदान केन्द्रों से संबंधित समस्याओं के बारे में चर्चा की। इस दौरान कलेक्टर ने प्रशिक्षाणार्थियों को मतदान केन्द्रों में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन एवं जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल उपस्थित थे। मतदान दल अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण दो दिन आयोजित किया गया है। आज कुल 2471 प्रशिक्षाणार्थी शामिल हुए।

भिलाई का एक दुर्गा पंडाल ऐसा जो है शहीदों को समर्पित, दर्शन के लिए दूर-दूर से आ रहे श्रद्धालु

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में इन दिनों नवरात्रि उत्सव की धूम है। माता रानी की भक्ति में पूरी इस्पात नगरी मगन है। शहर में जगह जगह भव्य पंडालों में माता रानी विराजमान है। झांकियों के साथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। शहर के भव्य पंडालों की जब बात आती है तो पावर हाउस लाल मैदान का नाम सबसे ऊपर रखा जाता है।

भिलाई शहर की सबसे पुरानी समिति द्वारा हर साल कुछ अलग किया जाता है। इस वर्ष भी लाल मैदान में सुभाष नवयुवक जागृति समिति द्वारा अलग ही थीम पर पंडाल बनाया गया।

इस बार लाल मैदान में समिति द्वारा शहीदों के सम्मान में पंडाल को समर्पित किया है। 120 फीट लंबे व 80 फीट चौडे इस भव्य पंडाल को 60 कलाकारों ने दिन रात मेहनत कर 90 दिन में तैयार किया है। पंडाल में देश की आज़ादी केअमृतकाल को दर्शाया गया गया है। देश के वीर शहीदों को ध्यान में रखते हुए मेरा भारत महान की थीम पर पंडाल बनाया गया है। पंडाल में प्रवेश करते ही मन देशभक्ति से परिपूर्ण हो जाता है। वीर शहीदों की शहादत को याद दिलाती चलित झांकियां लोगों के आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है।

दर्शनों के लिए लोगों की लग रही भीड़

लाल मैदान में विराजी माता रानी के दर्शनों के लिए रोजाना लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। वीर शहीदों की चलित झांकियां देखने के बाद हर कोई इसकी सराहना कर रहा है। दर्शनों के साथ यहां लोगों के मनोरंजन का भी भरपूर ध्यान रखा गया है। तरह तरह के फुड स्टॉल व अन्य स्टॉल आकर्षित करते हैं। नवरात्रि के इस महाउत्सव में लोगों को शाम के समय घूमने के साथ ही माता रानी के दर्शनों का भी सौभाग्य मिल रहा है।

बीएसपी सेक्टर-4 सोसाइटी ने दी रिटायर कर्मियों को विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने एक समारोह में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को विदाई दी। सभी रिटायर कर्मियों को अध्यक्ष अशोक परगनिहा व पदाधिकारियों ने सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी। इस दौरान रिटायर सदस्यों ने अपनी सदस्यता जारी रखने का प्रस्ताव रखा।

अध्यक्ष अशोक परगनिहा ने इस मौके पर रिटायर सदस्यों के योगदान का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि हमें हमेशा आप लोगों का मार्गदर्शन मिलता रहेगा। उन्होंने रिटायर सदस्यों की सदस्यता बरकरार रखने के संबंध में कहा कि प्रस्ताव विचाराधीन है।

इस मौके पर रिटायर सदस्यों में रिसर्च एंड कंट्रोल लैब से मनमोहन दास जांगड़े और बालकृष्ण देशमुख, कोक ओवन एंड कल केमिकल विभाग से रामाधार साहू व दिनेश कुमार साहू, ब्लास्ट फर्नेस से प्रभाकर गोयल, मशीन असेंबलिंग एंड री-इंजीनियरिंग शॉप-1 से सच्चिदानंद सूर्यवंशी, सिंटर प्लांट-2 से सुखदेव, मटेरियल रिकवरी डिपार्टमेंट से साधुराम वर्मा और धनसाय साहू, सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग से हेमलाल सोनवानी, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से वी. कृष्ण राव, फइनेंस एंड अकाउंट्स से हलदार लाल साहू, एफ्बी से श्रोणीत कुमार परगनिहा, प्लेट मिल से प्रदीप कुमार मित्रा और एसएमएस-3 से रामेश्वर सिंह ठाकुर शामिल थे।

सभी ने अपने उद्बोधन मे अपना सेवाकाल याद किया और सोसायटी की कार्यशैली की भूरि भूरि प्रशंसा की। अधिकांश सदस्यों ने कहा कि उनके बच्चों की उच्च शिक्षा में संस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मातारानी के उत्सव में पलाश शर्मा के भजनों पर झूमे भक्त, देर रात तक रही भक्तिगीतों की धूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नवरात्रि में पूरा शहर भक्तिमय हो गया है। देवी आराधना के इस महापर्व में सभी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। गुरुवार को पंचमी तिथि के मौके पर शहर के पंडालों व देवी मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। इसी कड़ी में सेक्टर-स्थित माँ तुलजा भवानी मन्दिर मराठा मित्र मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। प्रख्यात भजन गायक पलाश शर्मा ने अपने भक्ति गीतों व भजनों से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

सेक्टर 7 मे स्थित माँ तुलजा भवानी मन्दिर में नवरात्र उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। प्रथम दिन से यहां देवी की आरधना की जा रही है। इसी कड़ी में मराठा मित्र मण्डल द्वारा पंचमी तिथि पर ख्यातिलब्ध भजन गायक पलाश शर्मा को भजन प्रस्तुत करने आमंत्रित किया गया।

भजन संध्या में पलाश शर्मा ने अपने सुमधुर भजनों से भक्तों के साथ माँ तुलजा भवानी का बहुत ही सुंदर गुणगान किया। मराठा गौरव वीर शिवाजी महाराज को लेकर भी सुंदर गीत प्रस्तुत किया। देर रात तक भजनों पर भक्त झूमते रहे। कार्यक्रम के दौरान मराठा मित्र मंडल द्वारा माँ की चुनर व श्रीफल भेंट कर पलाश शर्मा का सम्मान किया गया।

त्यागमूर्ति माता रमाई के कलाकारों को सिखाए अभिनय के गुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नीतू राज फिल्म प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली सामाजिक फिल्म 'त्यागमूर्ति माता रमाई' की तैयारियां जोरों पर चल रही है। इस सिलसिले में एक्टिंग वर्कशॉप का समापन डॉ अंबेडकर सामुदायिक भवन झिरिया पारा रूआबांधा बस्ती में हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रज्ञा मेश्राम प्रभारी सातवीं बटालियन भिलाई थी। कार्यशाला में कलाकारों को अभिनय कला सिखाई गई। इस फिल्म के माध्यम से छत्तीसगढ़ के कलाकारों को उनकी अभिनय क्षमता के आधार पर फिल्म में काम करने का मौका दिया जा रहा है।

इस दौरान प्रज्ञा मेश्राम ने माता रमाई की त्याग और संघर्ष को सारी दुनिया के सामने लाने वाले इस फिल्म के प्रोड्यूसर ,डायरेक्टर और कलाकारों का अभिनंदन किया और भिलाई भूमि से माता रमाई के त्याग पर हिंदी फिल्म निर्माण की सोच और क्रियान्वयन की सराहना की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाबासाहेब की सफलता के पीछे माता रमाई के त्याग संघर्ष का संदेश पूरे विश्व में जाएगा और दुनिया की हर महिला माता रमाई की जीवनी से प्रेरित होगी। इस दौरान झिरिया पारा की बौद्ध महिलाओं ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रज्ञा मेश्राम का अभिनंदन किया।

उल्लेखनीय है कि फिल्म के माध्यम से भारत रत्न डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की जीवन संगिनी माता रमाई के जीवन के त्याग व संघर्ष को पूरी दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का प्रयास है।

यह फिल्म एक तरह से हर उस महिला की कहानी है जो पर्दे के पीछे रहती है और पुरुष की सफलता की कहानी गढ़ती है। इस फिल्म के लेखक निर्देशक कबीरदा,संगीतकार दिनेश अर्जुना, बांसुरी वादक मिलिंद सेवरे, गायक दिनेश अर्जुना ,गायिका वैशाली माडे ('पिंगा ग पोरी पिंगा' फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' फेम),संजीवनी भेलांडे ('चोरी चोरी जब नजरें मिली' फिल्म 'करीब' फेम) सहित कई ख्यातिलब्ध हस्तियां शामिल है। फिल्म के गीतों को कृष्णा रावत और गौतम शेंडे ने लिखा है। वहीं कृष्णा चौहान,राजकुमार रामटेके, प्रवीण वासनिक व शैलेंद्र भगत भी विशेष रूप से इस फिल्म से जुड़े हैं। असिस्टेंट डायरेक्टर अशोक देवलिया व सार्थक बोरकर है। फेमस वर्सेटाइल एक्टर अभिनेता राजा मुराद और ओंकार दास मानिकपुरी सहित कई अन्य जाने माने टीवी सीरियल के कलाकार इस फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं। थाईलैंड से भंते सिद्ध रतन ने भी फिल्म की कामयाबी के लिए मंगल कामनाएं व्यक्त की है।

आईआईटी भिलाई और डीएएडी जर्मनी ने संकाय आदान-प्रदान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। (पीआईबी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई और डीएएडी जर्मनी (जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस) ने आईआईटी भिलाई और जर्मनी के बीच संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर समारोह नई दिल्ली में जर्मन एम्बेसी में आयोजित किया गया था, जहां आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों के संकाय प्रभारी डॉ. रुकमणकेश और डीएएडी के उप महासचिव डॉ. माइकल हार्म्स ने आईआईटी भिलाई और प्रतिष्ठित जर्मन उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच संकाय विनिमय कार्यक्रमों को सुविधाजनक बनाने के लिए औपचारिक रूप से एमओयू दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया।

डीएएडी और आईआईटी भिलाई आपसी वैज्ञानिक हितों के क्षेत्रों में दोनों देशों के वैज्ञानिकों के बीच अकादमिक और वैज्ञानिक सहयोग के पारस्परिक लाभ को पहचान रहे हैं और दोनों पक्षों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने का लक्ष्य रख रहे हैं।

डीएएडी और आईआईटी भिलाई के बीच द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्देश्य उनके और जर्मन विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

भिलाई के युवाओं ने लिया शत प्रतिशत मतदान का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । मतदाता जागरूकता अभियान के तहत निगम भिलाई द्वारा नवरात्र के नौ संकल्प अभियान जिला निर्वाचन कार्यालय तथा आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर अलग अलग विधा एवं कार्यक्षेत्र में कार्यरत नागरिको को 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा निर्वाचन में शत प्रतिशत मतदान करने के लिए संकल्प दिलाकर प्रेरित किया जा रहा है।

निगम ने भिलाई क्षेत्र में संचालित कॉलेज के छात्र-छात्राओं, युवा खिलाड़ियों को शत प्रतिशत मतदान करने औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिको को संकल्प दिलवाया।

मनुष्य की सकारात्मक सोच उनसे संबंधित सूक्ष्मजीवों की अभिक्रिया निर्धारित करती है

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पृथ्वी पर उपस्थित समस्त जीवों का 60 प्रतिषत हिस्सा सूक्ष्मजीवों द्वारा निर्धारित होता है जो अन्य समस्त जीव जगत के क्रियाकलपों को नियंत्रित करते हैं। यह बातें शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में विभागीय परिषद श्माइक्रोपियाश् के उद्घाटन अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के जैविकीय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. गुप्ता ने कही।

प्रो. गुप्ता के सूक्ष्मजीव विज्ञान के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान समय में सूक्ष्मजीव विज्ञान का अध्ययन और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है एवं इसे हम अन्य जीव विज्ञान विषयों का ताज कह सकते है। अपने वक्तव्य में उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि विषय के इतिहास को समझ कर वर्तमान समय में विकसति एवं एकीकृति अनुसंधान की ओर अग्रसर होने की आवष्यकता है।

साथ ही विषय को समाज से जोड़ने एवं सामुदायिक विकास की प्रक्रिया में आगे लाने की अपेक्षा है। कोविड - 19 के उदाहरण को समझाते हुए उन्होंने बताया कि एक छोटे से वायरस ने पूरे विष्व में इस बात को समझा दिया है कि मानवीय शक्ति की सीमा इन सूक्ष्मजीवों द्वारा प्रतिबंधित अथवा नियंत्रित हो सकती है। मनुष्य के साथ-साथ पेड-पौधों का भी आहार-विहार एवं स्वभाव इन सूक्ष्मजीवों द्वारा विनियमित होता है जो उनके स्वभाव एवं व्यवहार में परिलक्षित होता है। नकारात्मकता से लिये गये निर्णय अथवा व्यवहार हमेषा रोगों को आमंत्रित करते है एवं दुष्परिणामों की ओर अग्रसर होते है।

कार्यक्रम के आरंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने विभाग की प्रगति प्रेतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारियों के रूप में कु. मानसी श्रीवास्तव, अध्यक्ष, कु. माधवी साहू,उपाध्यक्ष, कु. भवनवी देषमुख, सचिव एवं अभिनव रंगा सहसचिव के रूप में मनोनीत किये गये। प्रभारी प्राध्यापक श्रीमती नीतू दास ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर विभाग के अन्य प्राध्यापक श्रीमती रेखा गुप्ता एवं मृणालिनी सोनी उपस्थित थे।

शिव से प्राप्त शक्तियों द्वारा हर मानव अपने में व्याप्त बुराइयों का संहार कर सकता है

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पीस ऑडिटोरियम ग्राउंड , सडक़ - 2 , सेक्टर-7 में चैतन्य देवियों की भव्य आकर्षक झांकी का शुभारंभ हुआ, जिसमें ध्वनि एवं प्रकाश के अद्भूत समायोजन से शिव की शक्ति राजयोग साधनारत ब्रह्माकुमारी बहनों को चैतन्य देवी मूर्ति रूप में दिखाया गया हैं। विशाल अलौकिक झांकी में पर्वतों एवं अंतरिक्ष से चैतन्य देवियां रहस्यमय ढंग से प्रगट हो रही है। पर्वतों के मध्य एवं धरती के गर्भ से सिंह पर सवार मां जगदंबा प्रकट होकर विकारों और बुराइयों का प्रतीक महिषासुर का वध सभी को मंत्रमुग्ध करता है। कमल पुष्प पर विराजमान माँ लक्ष्मी जी के दर्शन होते है , और दूसरी ओर मां सरस्वती को हंस पर विराजित होते हुए दिखाया गया है और मां काली एवं देवी उमा को गुफा से निकलकर दर्शन देते हुए दिखाया गया है। एक के बाद एक प्रगट हो रही मूर्ति रूप में चैतन्य देवियों से सभी भक्तजन शक्ति प्राप्त कर अपनी जीवन की बुराइयों को अर्पण कर रहे है।

जिसे झांकी के अंत में राजयोग मेडिटेशन कमेंट्री द्वारा प्रेरणा दी जा रही है। ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा राजयोग की सतत साधना और गहन तपस्या के फलस्वरूप मन की एकाग्रता एवं शारीरिक स्थिरता द्वारा चैतन्य देवियों के रूप में विराजित होती हैं तो वह सजीव होते हुए भी एकदम निर्जीव मूर्तियों के समान प्रतीत होती हैं। कुछ पल उस वातावरण में बैठने से भक्तों को उनके द्वारा प्रवाहित शान्ति और शक्ति के प्रकम्पनों की अलौकिक अनुभूति होती है। इस सम्पूर्ण झांकी में यह संदेश दिया जा रहा है की आसुरी वृत्तियों और बुराइयों को शिव से प्राप्त शक्तियों के रूप में हर मानव अपने में व्याप्त बुराइयों का संहार कर सकता है। यह झांकी सर्व के लिए 23 अक्टूबर तक शाम को 06:30 बजे से रात्रि 10 बजे तक रहेगी ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950